खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 10 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-127

हार्दिक श्रद्धांजलि

श्री सुरेश कुमार गुप्ता

(सुपुत्र : स्व. हरिप्रसाद जी गुप्ता)

स्वर्गवास : बुधवार 6 मई, 2026

स्नेह आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।

----- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -----

निशा-मयूर (बेटी-दामाद)

नथमल गोपाल अग्रवाल बसईवाले

नेहा-आनंद (बेटी-दामाद)

पुषालाल गौतम चंद लुणावत

निधि-नितिन (बहु-पुत्र)

आत्माराम प्रदीप मुरारका (Nepal)

20 करोड़ साल से भी पुराना मिला समुद्री मगरमच्छ का जीवाश्म

लंदन

इंग्लैंड के सोलिहुल की रहने वाली हीथर, ब्रिटेन के मशहूर जुरासिक कोस्ट पर जीवाश्मों की तलाश में निकली थीं, जो लाइम रेजिस म्यूजियम द्वारा आयोजित एक गाइडेड फासिल वाक का हिस्सा थीं। हीथर को समुद्र तट पर एक अजीब सी चीज दिखी। उन्होंने समुद्र के बहाव के साथ बहकर आया लकड़ी का एक मामूली टुकड़ा समझा, जिसमें कुछ नुकीली कीलें निकली हुई थीं।

जब हीथर उसे ध्यान से देखा, तो उसकी असलियत सामने आई। यह कोई साधारण लकड़ी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे पुराने समुद्री मगरमच्छों में से एक का जीवाश्म था, जो करीब 20 करोड़ साल से भी ज़्यादा पुराना है। हीथर साल्ट के लिए यह खोज किसी लाटरी लगने से कम नहीं थी, क्योंकि उन्होंने अनजाने में इतिहास के पन्नों में दफन एक बेहद दुर्लभ शिकारी का राज खोल दिया था।

हीथर ने तुरंत अपने गाइड और जीवाश्म वैज्ञानिक केसी रिच को इसकी जानकारी दी। केसी रिच ने जब उसे देखा, तो वे अपनी खुशी नहीं रोक पाए। उन्होंने बताया, एक फील्ड पैलियोन्टोलाजिस्ट के तौर पर यही वो पल होते हैं, जिनके लिए हम जीते हैं।

लोगों को बुनियादी चीजें सिखाकर हम उन्हें अपनी खुद की खोज करने का मौका देते हैं और कभी-कभी वे ऐसी चीजें ढूंढ लेते हैं जो विज्ञान के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। एक्सपर्ट्स ने पुष्टि की है कि यह जीवाश्म चार्मौथ क्रोकोडाइल के नाम से मशहूर टर्नरसुचस हिंग्लेया प्रजाति का है। यह अवशेष उस जीव के ऊपरी जबड़े की हड्डी का हिस्सा है। इस खोज की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया में अब तक इस प्रजाति के केवल 11 जीवाश्म ही मिले हैं। यह समुद्री मगरमच्छ करीब 20 करोड़ साल पहले धरती पर राज करता था और आधुनिक मगरमच्छों का पूर्वज माना जाता है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव करीब दो मीटर लंबा होता था और इसका थूथन काफी पतला था, जो मछलियां पकड़ने के लिए सबसे सटीक हथियार था। यह अपना ज़्यादातर समय पानी में बिताता था और केवल अंडे देने के लिए ही जमीन पर आता था।

यह जीवाश्म न केवल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उस काल के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी नई जानकारी देता है जब डायनासोरों का दौर शुरू ही हुआ था। हीथर की इस खोज ने साबित कर दिया कि कभी-कभी सबसे बड़े राज आपके पैरों के ठीक नीचे दफन होते हैं, बस उन्हें पहचानने वाली पारखी नजर चाहिए। इस जीवाश्म की असल पहचान होने के बाद इसे सहेजने और संरक्षित करने का काम शुरू किया गया। अब यह दुर्लभ अवशेष लाइम रेजिस म्यूजियम में प्रदर्शित किया गया है, जहां इसे देखने के लिए दुनिया भर से लोग पहुंच रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने एआई वीडियो में टेस्ला में फंसे ट्रम्प का उड़ाया मज़ाक

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, ईरानी दूतावासों ने अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का मज़ाक उड़ाने के लिए सोशल मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित मीम्स और पैरोडी वीडियो साझा किया हैं। हाल ही में, हंगरी स्थित ईरानी दूतावास ने एक एआई-निर्मित क्लिप पोस्ट की, जिसमें ट्रंप को टेस्ला साइबरट्रक जैसी छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ी में एक संकरे मार्ग से निकलने की असफल कोशिश करते दिखाया गया है। यह संकरा मार्ग प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रतिनिधित्व करता है। करीब 34 सेकंड का यह वीडियो एक फिल्म के एक प्रसिद्ध दृश्य से प्रेरित है, जहां एक छोटी गाड़ी तंग गलियारे में फंस जाती है। एआई संस्करण में, ट्रम्प आत्मविश्वास से संकरे मार्ग में गाड़ी चलाते हैं, लेकिन कुछ ही सेकंड में उनकी छोटी गाड़ी उसमें फंस जाती है। इसके बाद ट्रम्प गाड़ी को आगे-पीछे करने के बेतुके और व्यर्थ प्रयास करते दिखाई देते हैं, जिनका कोई परिणाम नहीं निकलता। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, ट्रम्प का होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने का प्रयास! इसके साथ एक व्यंग्यात्मक इमोजी भी है। टेस्ला जैसी दिखने वाली गाड़ी अरबपति एलन मस्क के भविष्यवादी साइबरट्रक की ओर इशारा करती है, जो इस ट्रोलिंग में हास्य का एक और पहलू जोड़ता है। यह वीडियो आनलाइन तेजी से वायरल हुआ है और शुक्रवार सुबह तक 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने ट्रम्प की बुद्धिमत्ता, उनके हाथों पर लगे मेकअप और आरेंज मैन जैसे उपनामों का उपयोग करते हुए खूब टिप्पणियां की हैं, जिसमें उनकी होर्मुज रणनीति का मज़ाक उड़ाया गया है। यह घटना क्षेत्र में गहरे राजनीतिक तनाव के बीच एक तीखी सांस्कृतिक जंग को दर्शाती है।

ट्रंप प्रशासन का क्यूबा पर शिकंजा: कई संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध, ईंधन और खाद्य संकट गहराने की आशंका

हवाना (क्यूबा)। अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का एलान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं। पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना कौन नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रतिबंध क्यूबा की पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकते हैं। क्विंसी संस्थान से जुड़े शोधकर्ता ली श्लेंकर ने कहा कि नई कानूनी शक्तियों के तहत अमेरिका अब तीसरे देशों की कंपनियों और नागरिकों पर भी कार्रवाई कर सकेगा। इसके तहत कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं और उनके निवेशकों तथा कर्मचारियों की अमेरिका यात्रा पर भी असर पड़ सकता है।

काइली जेनर समेत कई दिग्गजों के लाखों फालोअर्स घटे, इंस्टाग्राम के फर्जी अकाउंट्स पर चली कैंची

वाशिंगटन। सोशल मीडिया की दुनिया के सबसे लोकप्रिय प्लेटफार्म्स में से एक, इंस्टाग्राम ने साल

2026 में पारदर्शिता और प्रामाणिकता की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाया है। प्लेटफार्म पर लगातार बढ़ती फर्जी अकाउंट्स और बाट्स की समस्या से निपटने के लिए कंपनी ने एक व्यापक सफाई अभियान चलाया है। इस कार्रवाई के तहत उन लाखों अकाउंट्स को हटा दिया गया है जो या तो लंबे समय से निष्क्रिय (इनएक्टिव) थे या फिर जो पूरी तरह से फर्जी और आटोमेटेड बाट्स की श्रेणी में आते थे। इस सफाई अभियान का सबसे चौंकाने वाला प्रभाव अमेरिकी इन्फ्लुएंसर और मशहूर एंटरप्रेन्योर काइली जेनर के प्रोफाइल पर देखने को मिला। इंस्टाग्राम के इस अचानक लिए गए फैसले ने पूरी दुनिया के सोशल मीडिया जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि इसका सीधा असर बड़े सेलिब्रिटीज, इन्फ्लुएंसर्स और वैश्विक ब्रांड्स की फालोअर संख्या पर पड़ा है। प्राप्त रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कार्रवाई के बाद काइली जेनर के इंस्टाग्राम अकाउंट से रातों-रात करीब 14 मिलियन से ज्यादा फालोअर्स कम हो गए। यह गिरावट इतनी बड़ी थी कि इसने डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया।

भारतीय लोग अमेरिकियों की नौकरियां नहीं छीन रहे बल्कि अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे

अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों को लेकर गढ़ा जा रहा नया राजनीतिक नैरेटिव

वाशिंगटन

अमेरिका में इन दिनों भारतीय पेशेवरों और एच-1बी वीजा धारकों को लेकर एक नया राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप से लेकर दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट लारा लूमर तक कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि भारतीय अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं, लेकिन वास्तविक आंकड़े इस दावे की पूरी तरह पोल खोलते नजर आते हैं। सच्चाई यह है कि भारत आज अमेरिका के लिए सिर्फ प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि रोजगार और निवेश देने वाला आर्थिक साझेदार बन चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राजनीति में भारतीयों के खिलाफ बयानबाजी लगातार तेज हो रही है। जुलाई 2025 में ट्रंप ने कहा था कि भारत में कर्मचारियों को रखने का दौर खत्म हो चुका है। वहीं लारा लूमर ने भारतीयों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसके अलावा कुछ अन्य दक्षिणपंथी नेताओं ने भी एच-1बी वीजा व्यवस्था को अमेरिकी युवाओं के खिलाफ बताया था।

हालांकि अमेरिकी वाणिज्य विभाग और विभिन्न उद्योग संगठनों की रिपोर्ट इन दावों से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश की हैं। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भारत से अमेरिका में करीब 16.4 बिलियन डालर का प्रत्यक्ष निवेश किया गया है, जिससे वहां 70 हजार से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार मिला है। वहीं भारतीय उद्योग परिसंघ की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों का कुल निवेश 40 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है, जिसके कारण करीब 4.25 लाख अमेरिकी नागरिकों को रोजगार मिला है। भारतीय कंपनियां केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। अमेरिका में अनुसंधान परियोजनाओं पर करीब 1 बिलियन डालर का निवेश भारतीय कंपनियों ने किया है। भारतीय कंपनियां अमेरिका में केवल मुनाफा कमाने का काम नहीं कर रहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

बांग्लादेश ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना में चीन की भागीदारी व समर्थन मांगा

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से अटके तीस्ता जल बंटवारा समझौते के बीच अब ढाका की नई सरकार ने नई दिल्ली की चिंता बढ़ा दी है। बीएनपी के नेता और तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना में चीन की भागीदारी और समर्थन मांगा है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिहाज से बड़ा रणनीतिक संकेत माना जा रहा है1 मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश लंबे समय से भारत पर 2011 के तीस्ता जल बंटवारा समझौते को लागू करने का दबाव बनाता रहा है। यह समझौता अब तक लागू नहीं हो पाया है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र के बीच सहमति का अभाव रहा। उस समय पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इस समझौते पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब बांग्लादेश में यह उम्मीद जताई जा रही है कि पश्चिम बंगाल के नेतृत्व में बदलाव और केंद्र में बीजेपी की मजबूत स्थिति के चलते तीस्ता समझौते पर फिर से बातचीत शुरू हो सकती है, लेकिन इसी बीच ढाका द्वारा चीन को इस परियोजना में शामिल करने की कोशिश ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। बता दें चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्री खालिलुर रहमान के साथ बैठक के बाद कहा कि चीन बांग्लादेश की नई सरकार को स्थिरता बनाए रखने, आर्थिक विकास को गति देने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयासों में समर्थन देता है। बैठक में दोनों देशों के बीच तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना पर भी चर्चा हुई। यह परियोजना बांग्लादेश के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। तीस्ता नदी भारत के सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है। ढाका इस परियोजना के जरिए नदी की ड्रेजिंग, तटबंध निर्माण और जल प्रबंधन को बेहतर बनाना चाहता है, ताकि बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक वांग यी ने खुलकर यह नहीं बताया कि चीन किस स्तर तक परियोजना में शामिल होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि बीजिंग अपनी क्षमता के मुताबिक बांग्लादेश को हर संभव मदद देने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन, बेल्ट एंड रोड इनेशिएटिव को बांग्लादेश की विकास रणनीतियों के साथ जोड़ना चाहता है। चीन ने यह संकेत भी दिया कि वह बांग्लादेश के साथ सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, जल संसाधन, हरित विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाना चाहता है।

ओसामा के ठिकाने से मिलीं 13 रहस्यमयी ईंटें, 14 साल बाद फिर चर्चा में एबटाबाद आपरेशन

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के एबटाबाद स्थित उस रहस्यमयी घर की कहानी फिर सुर्खियों में है, जहां वर्ष 2011 में अमेरिकी सेना ने दुनिया के सबसे वांछित आतंकी ओसामा बिन लादेन को ढेर किया था। इस बार चर्चा का कारण वे 13 ईंटें हैं, जिन्हें अमेरिकी नेवी सील कमांडो आपरेशन के दौरान अपने साथ ले गए थे। हाल ही में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने उन ईंटों में से एक की तस्वीर साझा की, जिसके बाद यह मामला फिर चर्चा में आया। सीआईए के अनुसार, ओसामा के कंपाउंड से कुल 13 ईंटें बरामद हुई थीं। इन ईंटों पर अंग्रेजी के अक्षर ए, एम और एस लिखे हुए थे। बताया गया कि आपरेशन में शामिल नेवी सील कमांडो ने इनमें से पहली ईंट तत्कालीन सीआईए निदेशक लियोन पैनेटा को भेंट की थी।

अब यह ईंट सीआईए म्यूजियम में सुरक्षित रखी गई है। दरअसल, 11 सितंबर 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले के बाद से अमेरिकी एजेंसियां लगातार लादेन की तलाश में जुटी थीं। करीब 10 वर्षों तक लादेन दुनिया की नजरों से छिपा रहा। वर्ष 2011 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए को सूचना मिली कि वह एबटाबाद में एक बेहद सुरक्षित कंपाउंड में रह रहा है। इस घर की ऊंची दीवारें, कंटीले तार, फोन और इंटरनेट की गैरमौजूदगी और घर के भीतर ही कचरा जलाने जैसी गतिविधियों ने एजेंसियों का शक और गहरा कर दिया। कई दिनों की निगरानी के बाद अमेरिका ने आपरेशन नेप्च्यून स्पियर की योजना बनाई। इस मिशन की जिम्मेदारी अमेरिकी नेवी सील कमांडो को सौंपी गई।

अफगानिस्तान से दो स्टेल्थ हेलीकाप्टरों के जरिए कमांडो एबटाबाद पहुंचे। हालांकि आपरेशन के दौरान एक हेलीकाप्टर तकनीकी कारणों से कंपाउंड के भीतर क्रैश हो गया, लेकिन इसके बावजूद कमांडो तेजी से अंदर घुसे और तीसरी मंजिल तक पहुंचे, जहां ओसामा मौजूद था। कुछ ही सेकेंड में ओसामा को मार गिराया गया। आपरेशन के बाद अमेरिकी जवानों ने वहां मौजूद हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव, दस्तावेज और अन्य सामग्री अपने कब्जे में ले ली। इन्हीं में वे 13 ईंटें भी शामिल थीं। माना जाता है कि कमांडो को शक था कि इन ईंटों पर लिखे अक्षर किसी गुप्त कोड का हिस्सा हो सकते हैं, इसलिए उन्हें भी सबूत के तौर पर अपने साथ ले जाया गया।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी राहत

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक बड़ी खुशखबरी आई है। शुक्रवार को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के लिए 1.2 अरब डालर यानी 11,322.25 करोड़ रुपये के कर्ज की मंजूरी दे दी है। यह राशि दो अलग-अलग वित्तीय कार्यक्रमों के तहत जारी की जा रही है। इस फैसले से पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को फिलहाल संजीवनी मिलने की उम्मीद है। ईएफएफ और आरएसएफ के तहत मिला फंड सितंबर 2024 में आईएमएफ पाकिस्तान को 37 महीनों के लिए एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) के तहत 7 अरब डालर यानी 66, 047.03 करोड़ रुपये देने पर सहमत हुआ था। ताजा मंजूरी के अनुसार, ईएफएफ के तहत पाकिस्तान को लगभग 1 अरब डालर यानी 9,435.29 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, जलवायु संकट से निपटने के लिए रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) के तहत 21 करोड़ डालर दिए जाएंगे। अब तक पाकिस्तान कुल 8.4 अरब डालर (79,256.44 करोड़ रुपये) के दो ऋण पैकेजों में से 4.5 अरब डालर यानी 42,458.81 करोड़ रुपये प्राप्त कर चुका है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि यह राशि अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी कर दी जाएगी, जिससे केंद्रीय बैंक का रिजर्व 17 अरब अमेरिकी डालर से अधिक हो जाएगा।

भूस्खलन के कारण एक झटके में खाली हो गई झील

कनाडा की प्रसिद्ध इमोजी लेक का अस्तित्व खत्म!

क्यूबेक

कनाडा के दक्षिण-पश्चिम क्यूबेक से प्रकृति के विनाश की एक विचलित करने वाली घटना सामने आई है। अपनी अनूठी बनावट के लिए दुनिया भर में मशहूर लेक रौज, जिसे लोग प्यार से इमोजी लेक कहते थे, अब पूरी तरह सूख चुकी है। यह झील ऊपर से देखने पर दो अन्य छोटी झीलों के साथ मिलकर एक हैरान चेहरे जैसा आकार बनाती थी, जो पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र थी। मई 2025 में स्थानीय समुदाय के लोगों ने पाया कि झील का पानी रहस्यमय तरीके से गायब हो चुका है और वहां अब केवल कीचड़ व मरी हुई मछलियों का ढेर बचा है।

जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि झील का पूर्वी किनारा भीषण भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण टूट गया, जिससे झील का पूरा पानी एक झटके में बाहर निकल गया। इस प्रलयकारी बहाव ने रास्ते में आने वाले छोटे तालाबों को भी नष्ट कर दिया। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि झील का पानी लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित डोडा लेक में जा मिला, जिससे उस झील का साफ पानी भी पूरी तरह मटमैला हो गया है। विशेषज्ञों ने इसे आउटबर्स्ट फ्लड करार दिया है, जो आमतौर पर केवल ग्लेशियर वाली झीलों में देखा जाता है। लेक रौज जैसी साधारण झील का इस तरह फटना एक अत्यंत दुर्लभ और चिंताजनक घटना है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तबाही के पीछे मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन मुख्य कारण हैं। साल 2019 और 2023 में कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग ने जमीन की ऊपरी परत को बेहद कमजोर कर दिया था। जली हुई मिट्टी पानी सोखने की क्षमता खो देती है, जिससे झील के किनारों पर दबाव बढ़ गया। इसके साथ ही, इलाके में बड़े पैमाने पर हुई पेड़ों की कटाई ने आग में घी का काम किया। पेड़ों की जड़ों के बिना मिट्टी अपनी पकड़ खो बैठी और भारी बर्फबारी के बाद अचानक पिघली बर्फ के दबाव को झील के किनारे सहन नहीं कर पाए। सरकारी हाइड्रोलाजिस्ट के अनुसार, क्यूबेक का यह संवेदनशील इलाका अभी भी भौगोलिक बदलावों के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इंसानी गतिविधियों ने इस प्रक्रिया को खतरनाक रूप से तेज कर दिया है। इस घटना से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को अपूरणीय क्षति हुई है। हजारों मछलियों की मौत और जलीय जीवों के आवास नष्ट होने से स्थानीय शिकारी और मछुआरे अपनी आजीविका को लेकर गहरे संकट में हैं।

समुद्री ऊदबिलाव का हाथ पकडकर सोना है सुरक्षा की रणनीति: विशेषज्ञ

लंदन

समुद्री नर ऊदबिलाव को अक्सर दुनिया का सबसे बेवफा पति कहा जाता है, क्योंकि वे एक साथी के साथ ज़्यादा समय तक नहीं रहते। यह अपनी मादा साथी का हाथ पकड़कर सोते हुए दिखने के बावजूद भी नई मादा की तलाश में निकल पड़ते हैं। ये जानवर रात में या आराम के समय राफ्टिंग नामक व्यवहार करते हैं, जिसमें कई ऊदबिलाव एक साथ समूह बनाकर पानी पर तैरते हैं और एक-दूसरे का हाथ (पंजा) पकड़ लेते हैं। इससे वे लहरों में बहकर अलग नहीं होते, खासकर जब वे गहरी नींद में हों। माँ और बच्चे अक्सर हाथ पकड़कर सोते हैं, और कभी-कभी जोड़े भी यही करते हैं, जिससे यह दृश्य अत्यंत मनमोहक लगता है। लोग अक्सर इसे सच्ची मोहब्बत और गहरे बंधन का प्रतीक समझ बैठते हैं। लेकिन हकीकत थोड़ी अलग है; वैज्ञानिकों का कहना है कि हाथ पकड़ना ज़्यादातर सुरक्षा, शिकारियों से बचने और समूह में बने रहने की रणनीति है, न कि सिर्फ प्यार

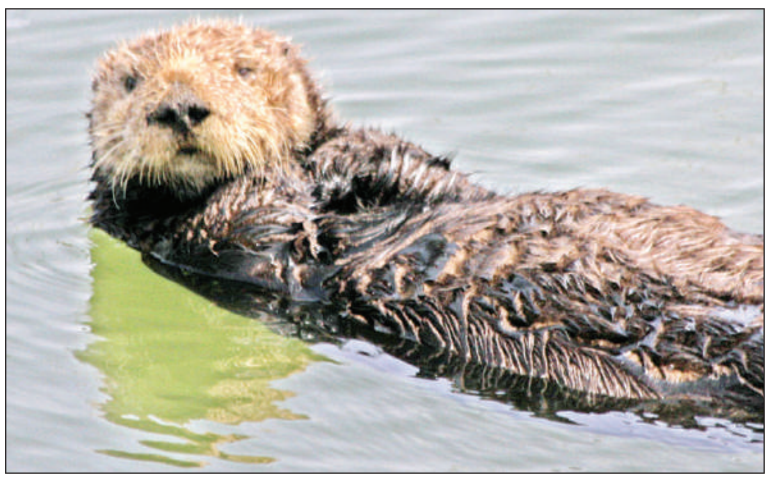

जताने की। ठंडे पानी में शरीर की गर्मी बनाए रखने में भी यह व्यवहार सहायक हो सकता है। नर समुद्री ऊदबिलाव क्षेत्रीय होते हैं और वे एक खास इलाके पर कब्जा जमाए रखते हैं। वे उस इलाके में आने वाली कई मादाओं के साथ संबंध बनाते हैं और पूरी तरह से एक पत्नी वाले पति नहीं होते। उनका प्रजनन व्यवहार पालिगैमस (बहुविवाह) होता है। अगर कोई मादा अलग हो जाए या नर का ध्यान दूसरी ओर चला जाए, तो वे आसानी से नई साथी चुन लेते हैं। इसी वजह से उन्हें सबसे बेवफा जानवरों की सूची में रखा जाता है। उनकी यह आदत सामाजिक मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बनती है, जहाँ लोग मज़ाक में उन्हें दुनिया का सबसे प्यारा बेवफा पति कहते हैं और कभी-कभी इंसानों से उनकी तुलना भी करते हैं। समुद्री ऊदबिलाव सोने में भी बेहद माहिर होते हैं। वे दिन में 10 से 12 घंटे तक सो सकते हैं। पानी पर पीठ के बल लेटकर आराम करते हैं और कभी-कभी खुद को केल्प (समुद्री घास) में लपेट लेते हैं ताकि बहकर दूर न चले जाएं। उनकी नींद इतनी गहरी होती है कि वे लगभग बेसुध हो जाते हैं। ये जानवर उत्तर अमेरिका के प्रशांत महासागर के तटीय इलाकों में सबसे ज़्यादा पाए जाते हैं, खास तौर पर कैलिफोर्निया, अलास्का और रूस के कुछ हिस्सों में इनकी अच्छी आबादी है। इनका वजन 14 से 45 किलोग्राम तक होता है, और मादाएं नरों से छोटी होती हैं। इनकी सबसे खास बात है उनकी घनी और मुलायम फर, जो उन्हें ठंडे पानी में भी गर्म रखती है, जो दुनिया के किसी भी स्तनपायी की सबसे घनी फर में से एक है। समुद्री ऊदबिलाव पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये समुद्री अर्चिन खाकर केल्प फारेस्ट को बचाते हैं। यदि ये न हों, तो समुद्री अर्चिन की संख्या अत्यधिक बढ़ सकती है और वे केल्प फारेस्ट को नष्ट कर सकते हैं, जिससे पूरे समुद्री जीवन पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इस प्रकार, समुद्री ऊदबिलाव समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में एक कीस्टोन प्रजाति के रूप में कार्य करते हैं। हालांकि, एक समय इनकी आबादी फर के लिए अत्यधिक शिकार के कारण खतरे में थी, लेकिन अब संरक्षण प्रयासों से इनकी संख्या बढ़ रही है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 10 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-127

चलो परेड ग्राउंड

मोदी जनसभा आज, करोड़ों की परियोजनाओं का शुभारंभ भी करेंगे

नई दिल्ली/हैदराबाद 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

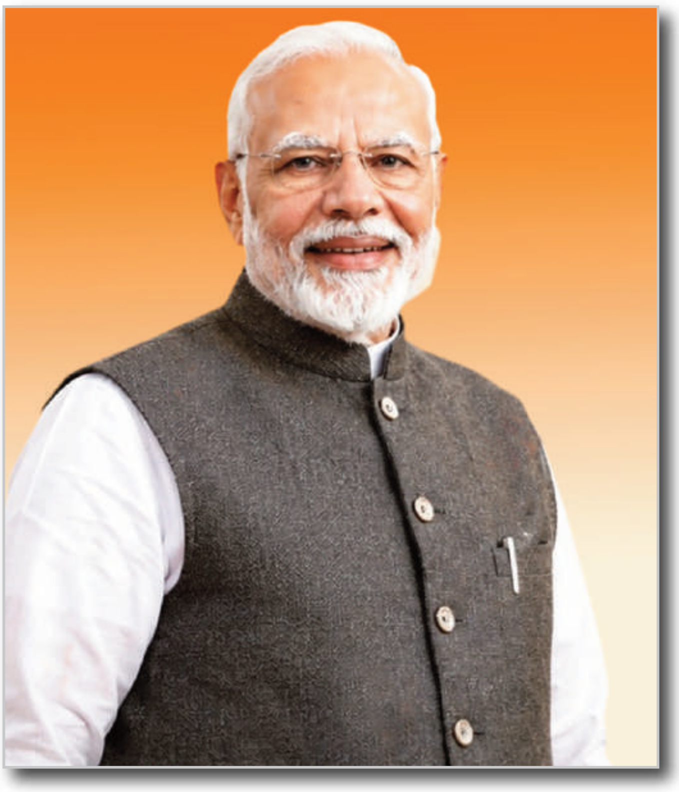

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक और तेलंगाना की यात्रा पर आएंगे, जहां वह हैदराबाद में लगभग 9,400 करोड़ रुपये की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। श्री मोदी सुबह 11 बजे बेंगलुरु में द आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ समारोह और श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिवस समारोह में भाग लेंगे। वह बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र में नव-निर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन भी करेंगे, जो आंतरिक शांति और समग्र कल्याण के लिए समर्पित एक ध्यान कक्ष है। वह संगठन की राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों का भी शुभारंभ करेंगे, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक परिवर्तन पर केंद्रित वर्षभर चलने वाली परियोजनाएं शामिल हैं। वह इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री हैदराबाद आएंगे और करीब तीन बजे लगभग 9,400 करोड़ रुपये की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह इस अवसर पर परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में शाम 4 बजे एक विशाल जनसभा को संबोधित भी करेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य कनेक्टिविटी को मजबूत करना, लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाना, सुरक्षा सुधारने और यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री हैदराबाद0पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 के चार लेन विस्तार की आधारशिला रखेंगे, जिसकी कुल लागत 3,175 करोड़ रुपये से अधिक है। श्री मोदी संगारेड्डी जिले में ज़हीराबाद औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला भी रखेंगे, जिसे राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत हैदराबाद0नागपुर औद्योगिक गलियारे का हिस्सा बनाया जा रहा है। लगभग 2,350 करोड़ रुपये की लागत से 3,245 एकड़ में विकसित यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-65 के किनारे स्थित है और प्रमुख शहरों, बंदरगाहों, रेलवे नेटवर्क और हवाई अड्डों से बहु-माध्यम संपर्क प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री वरंगल में पीएम मित्र पार्क (काकतीया मेगा टेक्सटाइल पार्क) का उद्घाटन करेंगे, जिसे पीएम मित्र योजना के तहत विकसित किया गया है। लगभग 1,700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह भारत का पहला पूर्ण रूप से कार्यशील पीएम मित्र पार्क है और फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन की 5एफ अवधारणा को लागू करता है। यह पार्क राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे नेटवर्क के निकट स्थित है, जिससे वैश्विक व्यापार के लिए बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री लगभग 1,535 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनमें काज़ीपेट0विजयवाड़ा मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना के 118 किलोमीटर के विभिन्न खंड शामिल हैं। इससे ग्रैंड ट्रंक कॉरिडोर की क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों की गति और समयबद्धता में सुधार होगा तथा माल ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त काज़ीपेट रेल बायपास को भी समर्पित किया जाएगा, जिससे हैदराबाद, बल्लारशाह और विजयवाड़ा की ओर एक साथ रेल संचालन संभव होगा और जाम कम होगा। श्री मोदी लगभग 600 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इंडियन ऑयल के मलकापुर टर्मिनल प्रोजेक्ट को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसकी कुल भंडारण क्षमता 1,65,000 किलोलीटर है।

इसके साथ ही वह शाम पौने चार बजे हैदराबाद में सिंधु अस्पताल भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो कैंसर केंद्रित बहु-विशेषता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है। यह 21 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है, जिसमें 1,500 बिस्तर, 150 से अधिक डॉक्टर कक्ष और 29 उन्नत ऑपरेशन थिएटर हैं। इसमें कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, कैंसर सर्जरी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और 33 से अधिक सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध हैं। ये सभी परियोजनाएं विकसित भारत के लिए विकसित तेलंगाना के दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जो एकीकृत अवसंरचना विकास के माध्यम से आर्थिक वृद्धि, जीवन स्तर में सुधार और अधिक तेज़ व जुड़ा हुआ राष्ट्र बनाने पर केंद्रित हैं।

बंडी संजय का बेटा हनी ट्रैप में फंसा!

पोक्सो मामला दर्ज, ब्लैकमेलिंग का प्रत्यारोप

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद यहां पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दूसरी ओर, आर-ोपी ने किशोरी और उसके माता-पिता पर जबरन वसूली और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाते हुए जवाबी शिकायत दर्ज कराई है।

17 वर्षीय लड़की की मां के अनुसार, संजय कुमार का बेटा भगीरथ उनकी बेटी के साथ रिश्ते में था और उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बताया कि यह कथित संबंध लगभग सात-आठ महीने पहले शुरू हुआ था। फिलहाल पुलिस को छात्रा (लड़की) का बयान दर्ज करना बाकी है।

इस बीच, भगीरथ ने करीमनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि लड़की ने उससे जान-पहचान बढ़ाई और उसे अपने पारिवारिक समारोहों व सामूहिक कार्यक्रमों में आमंत्रित किया। भगीरथ ने अपनी शिकायत में कहा कि लड़की के परिवार को भरोसेमंद मानते हुए, वह दोस्तों के समूह के साथ उनके साथ गया और कुछ पवित्र स्थानों के दर्शन भी किए।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार बेटे भगीरथ के साथ

भगीरथ का आरोप है कि बाद में लड़की और उसके माता-पिता ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया और धमकी दी। जब उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, तो लड़की के माता-पिता ने उससे पैसों की मांग शुरू कर दी। उन्होंने धमकी दी कि यदि उसने पैसे नहीं दिए, तो वे उसके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराएंगे।

भगीरथ ने अपनी शिकायत में दावा किया कि डर के मारे उसने शुरू में लड़की के पिता को 50,000 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने 5 करोड़ रुपये की मांग शुरू कर दी। भगीरथ ने आरोप लगाया कि उसे यह कहकर डराया गया कि यदि उसने मांग पूरी नहीं की, तो लड़की की मां आत्महत्या कर लेगी।

पुलिस ने भगीरथ की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वर्तमान में दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच की जा रही है ताकि मामले की सच्चाई का पता लगाया जा सके। पुलिस विभाग ने कहा है कि साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विजयतिलक आज 10 बजे

राहुल गांधी भी करेंगे शिरकत

चेन्नई, 09 मई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय के मुख्यमंत्री बनने और सरकार गठन का रास्ता शनिवार को पूरी तरह साफ हो गया है। वीसीके और आईयूएमएल ने उनकी पार्टी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान किया। दोनों दलों के पास 2-2 विधायक हैं। अब विजय के पास 120 विधायकों का समर्थन है। तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 118 विधायकों की जरूरत है।

विजय ने शनिवार शाम तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात करके उन्हें 120 विधायकों के समर्थन वाला पत्र सौंपा। इसके बाद राज्यपाल ने विजय की पार्टी टीवीके को तमिलनाडु में सरकार गठन की हरी झंडी दे दी। इसके साथ ही चार दिनों से जारी राजनीतिक असमंजस खत्म हो गया। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली नई सरकार का शपथ ग्रहण कल होगा। राज्यपाल ने नामित मुख्यमंत्री विजय को 13 मई 2026 या उससे पहले विधानसभा में बहुमत साबित करने का निर्देश दिया है।

विजय कल सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राहुल गांधी कल चेन्नई में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, विजय शपथ ग्रहण का ▶10 पर

केरल सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)।

केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सस्पेंस बरकरार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर करीब तीन घंटे तक चली उच्च स्तरीय बैठक के बाद भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे का ऐलान नहीं किया। पार्टी नेताओं के मुताबिक, अंतिम फैसला कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर छोड़ा गया है। बैठक में खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, वीडी सतीशन तथा कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षक ▶10 पर

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

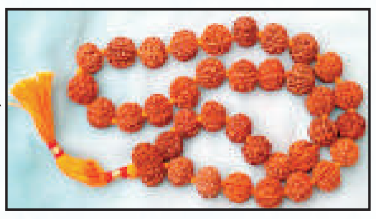

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।
- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

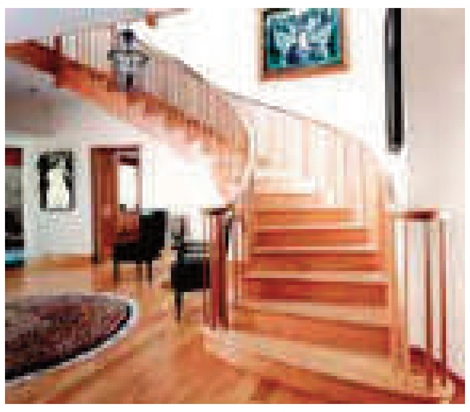

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

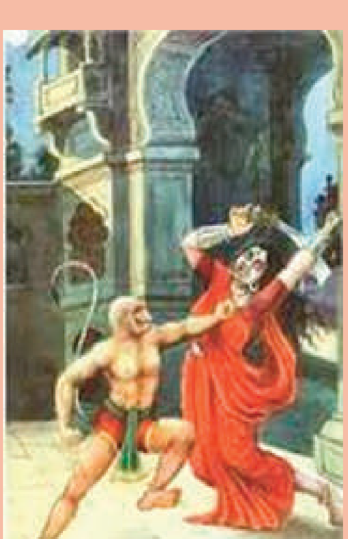

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

टैटू बनवाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

आजकल टैटू बनवाने का काफी ट्रेंड है और लगभग हर किसी को टैटू बनवाना पसंद है। लेकिन टैटू बनवाने के बाद उसकी देखभाल का भी काफी ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि कई बार टैटू बनवाने के बाद बहुत तरह की इन्फेक्शन का सामना भी करना पड़ सकता है। कई लोगों को उस जगह पर लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते हैं। जरूरी नहीं कि आपकी त्वचा ही नाजुक हो या आपको रंग से एलर्जी हो, कई बार लापरवाही की वजह से भी ऐसा हो जाता है। ऐसे में इन्फेक्शन से बचने के लिए आपको कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए।

साबुन का इस्तेमाल

टैटू गुदवाने के बाद आम साबुन के इस्तेमाल से बचें क्योंकि टैटू एक प्रकार का खुला घाव होता है ऐसे में उस पर हर प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करना हानिकारक हो सकता है। ऐसे साबुन का इस्तेमाल करें जो बैक्टीरिया से बचाव कर सके।

कसकर पोंछे नहीं

नहाने के बाद टैटू वाली स्कीन को कसकर न पोंछे। इससे जलन या खुजली हो सकती है। खुरदुरी तौलिया भी ऐसे में नुकसानदायक होती है।

त्वचा को गीला न रखें

नहाने के बाद टैटू का विशेष ध्यान रखें। किसी मुलायम कपड़े से साफ करें, गीला न रहने दें।

लोशन

टैटू गुदवाने के बाद मनचाहा लोशन इस्तेमाल न करें। सही और एंटीबायोटिक प्रकार का लोशन या क्रीम ही इस्तेमाल करें।

धूप से बचाएं

टैटू को सीधे सूरज की रोशनी पड़ने से बचाएं। इससे टैटू वाली त्वचा पर इन्फेक्शन हो सकती है क्योंकि अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रभाव पड़ता है। ये किरणें, हीलिंग प्रक्रिया के लिए सही नहीं होती है।

इन्फेक्शन

अगर टैटू वाली त्वचा पर खुजली होती है, तो खुजली करें नहीं, बल्कि क्रीम लगा लें। या बेबी ऑयल लगाएं, ये सबसे सही रहता है। ज्यादा समस्या होने पर डॉक्टर को दिखाएं।

पानी से दूर रखें

पूल या सोना बॉथ से दूर रहें। पानी में ज्यादा समय तक टैटू वाली त्वचा को भिगोकर न रखें। गुनगुने पानी से नहाना ज्यादा सही रहता है।

मां को बताइए आप करते हैं उनसे कितना प्यार

मदर्स डे पर दीजिए उन्हें ये उपहार...

जीवन के पहले दिन से मां हमारे लिए कितने रोल निभाती है। वह जन्मदाता और पैरंट के तौर पर हमारी हर जरूरत का ध्यान रखती है। सबसे अच्छी दोस्त बनकर हमारे सुख बढ़ाती है और दुख बांट लेती है। हमारे लिए कभी टीचर बन जाती है और कभी शेफ!

इस मदर्स डे मां को उनके इन बहुतेरे अवतारों के लिए थोड़ा सा धन्यवाद करिए। पेश है कुछ गिफ्ट आइडिया जिससे आप अपनी मां, ममी या मॉम को कह सकते हैं थैंक्यू और उन्हें दिखा सकते हैं आप उनसे कितना प्यार करते हैं....

उनकी फेवरिट जगह पर उन्हें खाने ले चलें

मां के खाने जैसा तो कुछ भी नहीं होता, लेकिन मां का भी तो फेवरिट रेस्त्रां होता है न... तो इस मदर्स डे मां के पसंदीदा रेस्त्रां में उन्हें लंच या डिनर के लिए ले जाएं। घर के कामों से उन्हें छुट्टी दिलाइए और कुछ वक्त उनके साथ बिताइए। उनका पसंदीदा खाना ऑर्डर करिए और इस मौके को खास बनाइए।

मां के लिए स्पा-मसाज बुक करिए

मां कितनी जिम्मेदारियां संभालती है, ऐसे में उन्हें आराम और अपनी देखभाल के लिए वक्त कहां मिल पाता है। इसलिए मदर्स डे पर उनके लिए स्पा में एक सेशन बुक करिए जहां उन्हें थोड़ा आराम भी मिले और उनकी देखभाल भी हो।

उनके फेवरिट शॉपिंग कूपन

मां के लिए प्यार जताना सिर्फ एक दिन क्यों सीमित हो, इसलिए इस मदर्स डे उनके लिए कुछ ऐसा लाइए जिसका इस्तेमाल वे आगे भी कर सकें। अपनी मां के पसंदीदा शॉपिंग, पार्लर, मसाज या फूड के कूपन उन्हें दीजिए। इस तरह वह जब भी इनका इस्तेमाल करेंगी, आपका प्यार उन्हें याद आता रहेगा।

परिवार के साथ कहीं बाहर जाइए

मां से ही तो परिवार बनता है और इसलिए इस मदर्स डे सारे परिवार को साथ लाइए और कहीं छुट्टी मनाने निकल पड़िए। अगर मां के फेवरिट हॉलीडे डेस्टिनेशन पर जा सकें तो और भी बढ़िया। सबके साथ मां को मजा भी आएगा और ढेर सारी यादें भी इकट्ठा हो जाएंगी।

हेल्थ चेकअप

याद है जब बचपन में आप थोड़ा भी बीमार होते थे तो डॉक्टर और नर्स सब बन जाती थी आपकी मां। मां आपकी सेहत के लिए अपनी सेहत की परवाह नहीं करती। इस मदर्स डे आप अपनी मां को एक हेल्थ चेकअप के लिए ले जाएं, ताकि आगे भी वह आपके लिए ऐसी ही प्यार बरसती रहें।

वजन कम करना है तो उबाल कर खाएं ये सब्जियां

मौसमी सब्जियां न सिर्फ सेहत को ठीक रखती हैं बल्कि ये कई बीमारियों को भी दूर करती हैं। मोटापा जो आजकल हर किसी की परेशानी का प्रमुख कारण बना हुआ है, उसका उपचार भी सब्जियों से किया जा सकता है। कुछ सब्जियों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए उन्हें उबाल कर खाना चाहिए तो कुछ को धीमी आंच पर पका कर खाना सेहतमंद होता है। इससे उनमें मौजूद पोषण को दोगुना किया जा सकता है। पालक, गाजर, शकरकंद, ब्रोकली और पत्तागोभी आदि का स्वाद और पोषण उबाल कर खाने से बढ़ जाता है। हफ्ते में दो बार इन उबली सब्जियों का सलाद खाने से मोटापा भी बहुत जल्दी घटेगा।

- कटी हुई गाजर को एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में डाल कर उबाल लें। यह आपकी आंखों के लिए काफी पौष्टिक होगी।
- खून की कमी और पीरियड्स की समस्या को दूर रखने के लिए दिन में एक चुकन्दर उबाल कर खाएं। ध्यान रखें कि चुकन्दर को 3 मिनट से ज्यादा न उबालें।
- आलू को हमेशा उबाल कर ही खाएं क्योंकि इससे कैलोरीज कम हो जाती है।
- बींस को 6 मिनट तक एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में उबाल लें। ये बींस डायबिटीज के लिए अच्छी होती है।
- हरी पत्तेदार सब्जियों को उबाल कर खाया जाएं तो उसकी ताकत दोगुनी बढ़ जाती है। खास तौर पर मेथी और पालक की सब्जियां।
- स्वीट कार्न को उबालने में काफी पानी और समय लगता है लेकिन इसे बिना उबाले भी खाया नहीं जा सकता। स्वीट कार्न में पोषण और ढेर सारे रेशे होते हैं जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती।
- शकरकंद में काफी सारा कार्बोहाइड्रेट्स होता है जो कि शरीर के लिए बेहद जरूरी है।

अगर आप डाइटिंग पर हैं तो शकरकंद खाएं।

- भाप में पकी हुई फूलगोभी काफी पौष्टिक मानी जाती है। ऐसा करने पर इसमें मौजूदा न्यूर्ट्रियन्ट्स और विटामिन्स नष्ट नहीं हो पाते।
- पत्ता गोभी जब उबाल कर खाई जाती है तो उसका टेस्ट और भी ज्यादा बढ़ जाता है। उबालने के लिए जिस पानी का उपयोग किया गया हो, उसे खाना पकाने में प्रयोग कर लेना चाहिए क्योंकि इसमें सबसे ज्यादा पोषण होता है।
- ब्रोकली उबाल कर खाने में ज्यादा टेस्टी लगती है। अगर आपको यह डिश सादी ही खानी हो तो उबालते समय इसमें थोड़ा सा ऑलिव ऑयल मिला लें।

बार-बार गर्भपात से महिलाओं को होते हैं ये नुकसान

अनचाहे गर्भ को गिराने के लिए जोड़े अक्सर गर्भपात का सहारा लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को मालूम नहीं है कि लगातार गर्भपात कराना जीवन के लिए खतरनाक है। लगातार गर्भपात करवाने से भविष्य में होने वाली प्रेग्नेंसी कष्टदायक हो सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं ज्यादा गर्भपात कराती हैं। उनमें अवधि पूर्व जन्म या शिशु का वजन बहुत कम होना आदि परेशानियां पैदा होती हैं, जिन महिलाओं ने 3 या इससे अधिक बार गर्भपात कराया है। उनकी गर्भाशय ग्रीवा के लिए खतरा है। इसके अलावा इससे कुछ समय बाद अपने आप गर्भपात भी हो सकता है।

बहुत से लोगों को आजकल बांझपन, अस्थानिक गर्भावस्था या बच्चे के जन्म की परेशानी आदि समस्याएं उठानी पड़ती हैं। बांझपन से तात्पर्य है कि 12 माह की कोशिशों के बावजूद भी बच्चा नहीं लगना। सामान्य रूप से महिलाओं में बांझपन होने के कई कारण हैं लेकिन बहुत से डॉक्टर्स ऑपरेशन से गर्भपात कराने को इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

गर्भपात करवाने के शरीर को नुकसान

बच्चा गिरना: गर्भपात कराने से भी कई बार गर्भाशय ग्रीवा क्षतिग्रस्त हो जाती है तो आगे गर्भपात में परेशानी हो सकती है। यदि गर्भपात के दौरान बच्चेदानी क्षतिग्रस्त हो जाती है तो यह बच्चे के लिए भी खतरनाक होती है।

समय पूर्व प्रसव: ज्यादा बार गर्भपात कराने का यह एक मुख्य कारण यह है कि इससे समय पूर्व प्रसव के अवसर बढ़ जाते हैं और गर्भ नाल इससे गलत रूप से बढ़ जाती है।

अस्थानिक गर्भावस्था: बार-बार गर्भपात कराने से अस्थानिक गर्भधारण का खतरा पैदा होता है। अस्थानिक गर्भावस्था ना केवल जीवन के खतरनाक है बल्कि इससे प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है।

पेडू के सूजन की बीमारी: पेडू के सूजन की बीमारी भी बार-बार गर्भपात से होती है। पीआईडी एक खतरनाक बीमारी है जो कि बांझपन का कारण भी बन सकती है। यह फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों पर घाव पैदा कर सकती है, जिससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता में कमी होती है। कभी कभी पीआईडी गर्भपात या अबॉरशन के बाद भी हो सकती है।

एन्डोमिट्राइटिस: ज्यादा गर्भपात कराने से यह होता है। अबॉरशन के बाद यह समस्या होती है। 20 से 29 वर्ष की महिलाएं खास तौर पर इसका शिकार ज्यादा होती हैं।

गर्भाशय में छेद होना: गर्भपात कराने वाली 2 से 3 प्रतिशत मरीजों में यह परेशानी होती है जो महिलाएं पहले बच्चे को जन्म दे चुकी हैं। उनमें यह ज्यादा होता है। इस समस्या से ग्रसित मरीजों में कई बार गर्भपात के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया भी देना पड़ता है।

संक्रमण: बार-बार गर्भपात कराने से महिलाओं में स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याएं पैदा होती हैं जैसे कि ज्यादा रक्तस्राव, संक्रमण, ऐंठन, एनेस्थेसिया से संबन्धित जटिलताएं, एम्बोलिम्, गर्भाशय में सूजन, एंडोटोक्सिक शॉक, गर्भाशय ग्रीवा का चोटिल होना, रक्तस्राव आदि।

बच्चों की कैलोरी खपत पर रखें नजर

अधिकांश बच्चे थाली में स्वादिष्ट भोजन देखकर उस पर टूट पड़ते हैं, जबकि कैलोरी से भरपूर वह भोजन बच्चों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन तीन से पांच साल के बच्चों में कैलोरी युक्त भोजन और उसके आकार में हस्तक्षेप कर कैलोरी खपत को घटाया जा सकता है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। शोधार्थियों का कहना है कि अभिभावक बच्चों के लिए कम कैलोरी वाला भोजन का चुनाव कर बच्चों में कैलोरी डेंसिटी (सीडी) की खपत को कम कर सकते हैं। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में इस अध्ययन की सह-लेखक बारबरा रोल्स ने बताया, ऐसे कई स्वीकार्य और सहज उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी सहायता से घर में ही कैलोरी पर नियंत्रण किया जा सकता है।कम कैलोरी युक्त भोजन के बड़े हिस्से या उच्च कैलोरी युक्त भोजन के छोटे हिस्सों में हुए परिवर्तनों से बच्चे भी आसानी से जुड़ सकते हैं। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने बच्चों को परोसे गए भोजन के हिस्सों और सीडी तथा प्रति हिस्से में ग्रहण होने वाली कैलोरी का अध्ययन किया था। रोल्स बताती हैं, रणनीतिक तौर पर भोजन के हिस्सों और सीडी पर नियंत्रण स्वीकार्यता को प्रभावित किए बिना भोजन की खपत को कम कर सकता है। यह शोध साइकोलॉजी एंड बिहेवियर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आसान नुस्खे

अक्सर हम सभी जब जल्दीबाजी में गरम-गरम चाय या कॉफी पी लेते हैं तो हमारी जीभ जल जाती है। जीभ के जल जाने पर कुछ दिनों को तक हमें किसी भी चीज को खाने से उसका स्वाद नहीं आता। इसलिए हमें कभी भी किसी चीज को गरम-गरम नहीं खाना चाहिएं। आज हम आपको जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए कुछ आसान से घरेलू उपाय बताएगें।

बेकिंग सोडा

वैसे तो बेकिंग सोडा और बेकिग पाउडर दोनों ही खाने को फुलाने के लिए काम आते हैं। पर अगर आपकी जीभ गरम-गरम चीज पीने या फिर खाने से जल जाए तो तुरंत आराम पाने के लिए बेकिंग सोडा और पानी से कुल्ला कर लें।

जीभ जलने पर प्लेन फूड खाएं

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मसालेदार खाना न खाएं। ऐसे में आप सलाद और उबला हुआ सादा भोजन ही खाएं।

आइस क्यूब

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आप फ्रिज में रखी हुई ठंडी-ठंडी बर्फ का टुकड़ा लेकर मुंह में रख लें और धीरे-धीरे से चूसते रहें। साथ ही ध्यान में रखे कि क्यूब को मुंह में डालने से पहले गीला जरूर कर लें।

दही

ठंडा दही लेकर उसका एक चम्मच मुंह में रखने से जली हुई जीभ से तुरंत आराम मिल जाता है। अगर घर में दही नहीं है तो आप एक गिलास ठंडा दूध भी पी सकते हैं।

चीनी

अगर आपकी जीभ जल गई है तो जीभ पर एक चुटकी सफेद चीनी छिडकें और इसे जीभ पर घुलने दें। ऐसा करने से होने वाली दर्द से तुरंत आराम मिल जाएगा।

शहद

शहद के अनेक फायदे हैं। जीभ के जलने पर यह एक प्राकृतिक और आराम देने वाला पदार्थ है। इसे जीभ पर लगाने से दर्द कम हो जाता है।

विटामिन ई

वैसे तो हमारे शरीर के लिए सभी विटामिन्स का अपना-अपना महत्व है, लेकिन उनमें कुछ की खास भूमिका होती है। ऐसे विटामिन्स में एक प्रमुख है विटामिन ई। जीभ के जलने पर विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे जीभ पर डालने से जल्द ही आराम मिल जाता है।

मुंह से सांस लें

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मुंह से सांस लें। ऐसा करने से ठंडी हवा जीभ पर लगेगी जिसे आप को आराम मिलेगा।

चुइंग गम

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए च्यूइंग गम चबाएं। यह मुंह में थूक बनाने का काम करती है और मुंह को गीला रखती है, जिसे होने वाली जलन से आराम मिलता है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा तोड़कर उसमें से मैल निकाल लें और इसे जली हुई जीभ पर लगाएं और इस आइस क्यूब भी लगाएं। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द ही आराम मिल जाएगा।

क्या आप जानते हैं

1 विश्व की सबसे ऊंची मीनार कुतुब मीनार है जो भारत में है।

2 नेपाल की संसद को राष्ट्रीय पंचायत कहते हैं।

3 राजस्थान के बीकानेर में स्थित जूनागढ़ किले का निर्माण राजा जय सिंह ने करवाया था।

4 राजस्थान के जयपुर में स्थित हवा महल का निर्माण महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने करवाया था।

5 फिल्म जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्कर पुरस्कार की शुरुआत 1929 ईसवी में हुई थी। यह पुरस्कार नेशनल अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर ऑर्ट्स एंड साइंसेज संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दिया जाता है।

6 ऑस्कर पाने वाली पहली भारतीय महिला भानु अथैय्या हैं, जिन्हें गांधी फिल्म में रिचर्ड एटनबर्ग की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग के लिए यह पुरस्कार दिया गया था।

7 दांडी मार्च 1930 वह आंदोलन है, जिसे प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने दुनिया का इतिहास बदलने वाले प्रथम दस आंदोलन में शामिल किया है।

8 ऋग्वेद काल में व्यापारियों को पणि कहा जाता था।

9 छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जहां पर पांच रुपए में दाल-भात (दाल-चावल) देने की योजना शुरू की गई है।

10 ऑस्कर के साथ ही नोबेल पुरस्कार को भी प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं- जॉर्ज बनार्ड शॉ। इन्हें 1925 में साहित्य के लिए नोबेल और 1938 में बेस्ट स्क्रीन प्ले के लिए ऑस्कर पुरस्कार दिया गया।

11 पिनकाओ (थाईलैंड) दुनिया के सर्वश्रेष्ठ चावल के किस्मों में से एक है।

रोबोट हमारे दोस्त

बच्चो, आने वाले समय में हो सकता है हमारे रोजमर्रा के कई काम रोबोट्र्स करते नजर आएं। अब रोबोट्र्स कल्पना की चीज नहीं रहे, वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। अब तो हमारे देश में भी रोबोट्र्स पर काम होने लगा है। रोबोट्र्स द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानना अपने आप में बहुत रोचक है। तो क्या-क्या कर सकते हैं ये, पढ़ें...

बच्चो, रोबोट्स के बारे में तो आपने सुना ही होगा। टीवी पर आपने इन्हें देखा भी जरूर होगा। वाकई यह बड़े काम की चीज हैं। जब हम कहीं यह पढ़ते हैं कि आने वाले समय में रोबोट्स हमारे घरों में होंगे और कई तरह का काम निपटा रहे होंगे, तो सोचकर हैरानी होती है। निकट भविष्य में हो सकता है ऐसा संभव हो जाए। वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। आखिर रोबोट्स हैं क्या और कैसे काम करते हैं, इस बारे में जानना अपने आम में बहुत ही रोचक है। वैसे देखा जाए, तो रोबोट्स की दुनिया अपने आप में बहुत ही हैरान कर देने वाली है। अब तो वैज्ञानिक ऐसे दावे भी कर रहे हैं कि भविष्य में मानवीय संवेदनाओं वाला रोबोट भी बनाया जा सकेगा। हाल ही में रजनीकांत की फिल्म 'रोबोट' भी आई थी। इसमें भी रोबोट के बारे में बहुत रोचक जानकारी दी गई है। इसमें असल में रोबोट की कहानी को ही पेश किया गया है। तो आइए आज रोबोट्स की दुनिया के बारे में कुछ रोचक जानें-

पिछले दिनों तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में रोबोकप-2011 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें दुनियाभर के कई रोबोट्स ने हिस्सा लिया और फुटबॉल के मैदान में अपने जलवे दिखाए। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ विदेशी रोबोट्स ही फुटबॉल खेल सकते हैं। हमारे देश में भी ऐसे रोबोट्स बनाए जाने लगे हैं, जो फुटबॉल खेलने के अलावा आपका भरपूर मनोरंजन भी कर सकते हैं।

सॉकरबोट और आइसोटॉप ऐसे ही रोबोट्स हैं, जिन्हें बनाया है दिवाकर ने। 19 साल के दिवाकर शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक सैकेंड इयर के स्टूडैंट हैं। उनकी कोशिश है चूमनॉयड रोबोट्स को इस काबिल बनाया जाए कि वह मानव द्वारा किए जाने वाले सारे काम कर सके। सॉकरबोट की प्रोग्रामिंग करने में उन्हें 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगा। उनके मुताबिक सॉकरबोट ऑर्टिफिशियल सेमी इंटैलिजेंट रोबोट है जिसमें गायरोस्कोप और एसीलेरोमीटर सैंसर लगे हैं।

सॉकरबोट को चलने-फिरने में मदद करने के लिए 18 सर्वो और 250 से 300 स्क्रू लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये सर्वो मनुष्यों की मसल्स की तरह काम करते हैं। इन सर्वो में कार्बोनाइट गियर्स होते हैं जो उसे चलने-फिरने में मदद करते हैं। सॉकरबोट बिल्कुल मनुष्य की तरह चल-फिर सकता है। वह बेहतरीन फुटबॉल खेल सकता है, बॉल को किक मार सकता है। इसके अलावा एक फिटनेस फ्रीक की तरह पुशअप्स और यहां तक कि शीर्षासन भी कर सकता है। बाकी रोबोट्स के मुकाबले सॉकरबोट की खूबी है कि वह फुटबॉल खेलने के दौरान गिरने पर बिना किसी की मदद के खुद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। फुटबॉल खेलने के दौरान रोबोट्स के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है मूवमेंट्स की, लेकिन फुटबॉल खेलने के दौरान सॉकरबोट अपने आप घूम सकता है। दिवाकर पिछले साल सितंबर में बैंगलुरु में हुई फीरा यानी फैडरेशन ऑफ इंटरनेशनल रोबोटसॉकर एसोसिएशन वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने खासतौर पर 3 रोबोट्स डिफेंडर, गोलकीपर और अटैकर डैवलप किए थे। सॉकरबोट अगर स्पोर्ट्स और फिटनेस-फ्रीक है तो आइसोटॉप डांसिंग रोबोट है। आइसोटॉप विभिन्न गानों की धुनों पर जबर्दस्त डांस कर सकता है। यहां तक कि आइसोटॉप कमर मटकाते हुए ठुमके भी लगा सकता है। वह दुनिया का पहला अकेला ऐसा रोबोट है, जो भांगडा भी डाल सकता है। इन खूबियों के चलते उसे खूब वाहवाही मिलती है। आइसोटॉप में 16 सर्वो लगे हैं और उसका माइक्रो-कंट्रोलर 32 सर्वो को कंट्रोल कर सकता है।

दिवाकर का मानना है कि रोबोट बनाने से ज्यादा मुश्किल काम है रोबोट की प्रोग्रामिंग करना। उनके मुताबिक इसकी तुलना इंसान से की जा सकती है। जैसे छोटे बच्चे को पहले छोटे-छोटे शब्दों से प्रैक्टिस कराई जाती है और फिर बड़े-बड़े शब्द सिखाए जाते हैं। वैसे ही रोबोट को भी प्रोग्रामिंग के जरिए चलना, मुड़ना और उठना जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। उनका कहना है कि एक मिनट की प्रोग्रामिंग करने में 2 महीने तक का वक्त लग सकता है और एक मिनट की प्रोग्रामिंग 600 पन्नों तक की हो सकती है। आइसोटॉप को सामने लाने में उन्हें 6 माह से ज्यादा का वक्त लगा। आइसोटॉप और सॉकरबोट में गायरोस्कोप सैंसर लगा है, जिससे वे डायनेमिक मोशन जैसे झुकाव और उबड़-खाबड़ वाली सतह पर आसानी से चल सकते हैं।

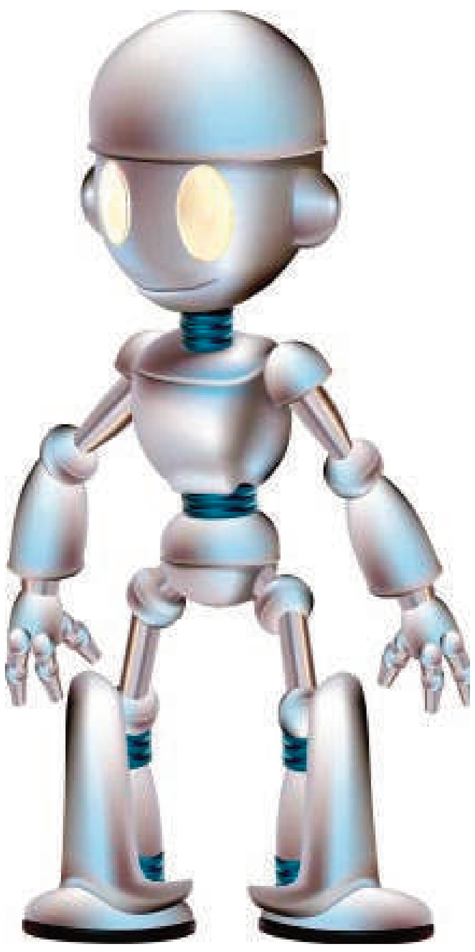

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली?

आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है ?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनुकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्यक नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

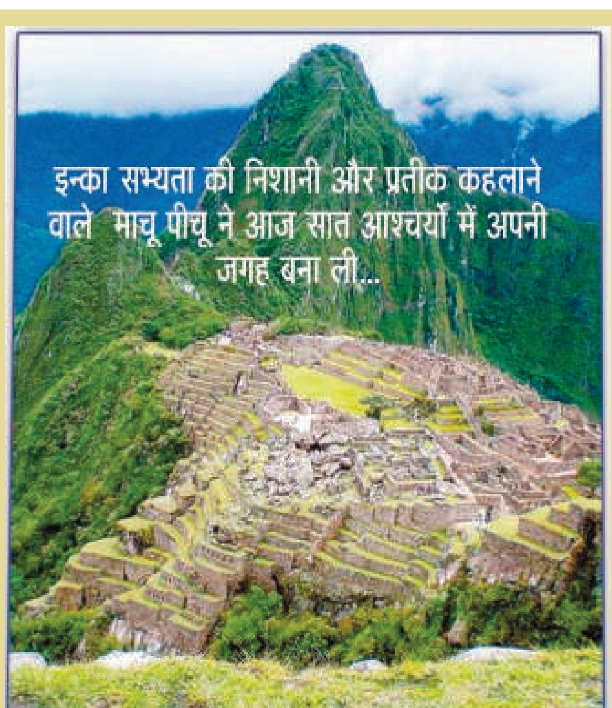

चोटी का आश्चर्य

दक्षिण अमेरिका के देश पेरू स्थित माचू पीचू एक नगर था, जो समुद्र तल से 2,430 मीटर की ऊंचाई पर इस पहाड़ी पर बसाया गया था। इसका निर्माण सन् 1450 ईसवी में हुआ था और इसके सौ साल बाद यहां के निवासी इसे छोड़कर चले गए क्योंकि इनका साम्राज्य स्पेनी आक्रमणकर्ताओं के सामने घुटने टेक चुका था।

इसे इन्काओं का खोया हुआ शहर कहा जाता था। धीरे-धीरे जंगलों ने इसे घेर लिया। सिर्फ स्थानीय लोगों की किंवदंतियों में यह जिंदा रह गया। 1911 में ऊरूबाम्बा घाटी में काम कर रहे अमरीकी इतिहासकार हिरम बिंघम ने इस खोए हुए शहर को खोज निकाला। बिंघम ने अपनी किताब 'द लॉस्ट सिटी ऑफ द इन्कॉज' में लिखा कि स्थानीय अफवाहें उन्हें इस जगह तक ले गईं। असल में बिंघम विक्टोस नाम के उस शहर को खोज रहे थे, जहां इन्काओं ने शरण ली थी और स्पेनी हमले के दौरान संघर्ष किया था, लेकिन अपनी खोज के दौरान उन्हें इस जगह का पता लग गया।

1913 में नैशनल जियोग्राफिक सोसायटी की पत्रिका नैशनल जियोग्राफिक ने पूरा संस्करण माचू पीचू को समर्पित किया। इससे इस जगह को विश्वभर में प्रसिद्धि मिली। इसके बाद तो यहां पर्यटकों और खजाने की खोज करने वालों का तांता लग गया।

इतिहासकार जॉन रो और रिचर्ड बर्जर के शोध के आधार पर अब यह माना जाने लगा है कि माचू पीचू कोई सुरक्षात्मक किला नहीं, बल्कि सम्राट पाचाकुटी का व्यक्तिगत एस्टेट था।

फिर 1981 में माचू पीचू के आस-पास का 325.92 वर्ग किलोमीटर का इलाका ऐतिहासिक सेंचुरी घोषित कर दिया गया। इसमें न सिर्फ शहर के खंडहर आते हैं बल्कि यहां के जंगल भी हैं, जिनमें ऑर्किड तक शामिल हैं। 1983 में संयुक्त राष्ट्र के संगठन युनैस्को ने इसे यह कहते हुए विश्व धरोहर घोषित किया कि यह जगह इन्का सभ्यता की अनूठी निशानी है और वास्तु का शानदार नमूना है।

पहाड़ी की सीधी ढलान के अंत में ऊरूबाम्बा नदी के पार बने छोटे से मैदान में बना यह शहर प्राकृतिक रूप से सुरक्षित था। यहां तक पहुंचने के लिए रस्सी का पुल इस्तेमाल होता था।

माचू पीचू में पॉलिश किए हुए पत्थरों से मकान बने हैं। बिना सीमेंट और मसाले के ऐसे पत्थरों को काटकर इमारत तैयार करने की कला को ऐशलर कहते हैं और इस कला में इन्का महारत रखते थे।

चूंकि इन्का सभ्यता में पहिए का इस्तेमाल नहीं होता था, इसलिए आज भी यह एक रहस्य है कि उन्होंने कैसे इतने बड़े पत्थरों को यहां तक पहुंचाया। यहां 140 इमारतें बनी हैं, जिनमें मंदिर, पार्क और घर सभी शामिल हैं।

यहां एक ही चट्टान से बनी सौ सीढ़ियां भी मौजूद हैं। पहले पुरातात्विक जोन में इंतिहुआताना (सन डायल), सूर्य मंदिर और तीन खिड़कियों वाला कक्ष मौजूद है। दूसरे जोन में शहर के सबसे समझदार व्यक्ति के साथ-साथ राजा, रानी और राजकुमारी के लिए कक्ष बने हैं।

चूंकि यह बड़ा पर्यटन केंद्र है, इसलिए यहां पर्यटकों के कारण बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। सन् 2003 में यहां चार लाख पर्यटक आए थे। इससे इस धरोहर को होने वाले नुकसान को देखते हुए युनैस्को ने इसे खतरे का सामना कर रही विश्व धरोहर की सूची में रखने का मन बना लिया। सन् 2000 में एक विज्ञापन कम्पनी द्वारा इस्तेमाल की जा रही क्रेन यहां के सन डायल पर गिर गई थी, जिससे इसे काफी नुकसान पहुंचा।

अपने जाल में क्यों नहीं फंसती मकड़ी ?

मकड़ी खुद अपने जाल में नहीं फंसती, इसके पेट के ऊपरी भाग में स्थित एक छेद में से हमेशा रेशे के रूप में एक तरल पदार्थ बाहर निकलता रहता है। दरअसल उसके शरीर से निकलने वाला यही द्रव्य उसे जाल पर चलने में भी मदद करता है। इसके अलावा जब मकड़ी जाल पर चलती है, तो वह शुष्क और मुलायम धागे का इस्तेमाल करती है। अगर गलती से टांगें जाल को छू भी जाती हैं, तो इसके पांवों पर तेल का स्त्राव उसे इनसे चिपकने से बचाता है और मकड़ी बड़ी आसानी से उन भागों पर चलती रहती है।

पहला डाक टिकट

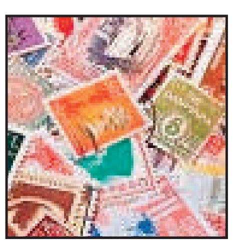

डाक टिकट जारी करने वाला दुनिया का सबसे पहला देश था- ग्रेट ब्रिटेन। 1 मई 1840 को ब्रिटेन में पहली डाक टिकट जारी की गई। इसके बाद दुनिया के अन्य देशों में भी डाक टिकटें शुरू हो गईं। ब्रिटेन दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसकी डाक टिकटों पर उसके देश का नाम अंकित नहीं होता। न्यूजीलैंड की पहली डाक टिकट भी ब्रिटेन में ही डिजाइन की गई थी और 1855 में जारी की गई थी। न्यूजीलैंड द्वारा डिजाइन पहली डाक टिकट 1873 में जारी हुई थी, इस पर भी क्वीन विक्टोरिया का ही चित्र था।

तीन मछलिया

जलाशयों में पानी गहरा होने की वजह से उसमें काई के साथ अन्य जलीय पौधे भी उग जाते हैं। इस वजह से मछलियों को ये स्थान बड़े रास आते हैं। ऐसे ही एक जलाशय में तीन मछलियां रहती थीं। इनके स्वभाव बहुत भिन्न थे। जहां अन्ना संकट का अभास होने पर ही उसके निदान के बारे में सोचने लगती थी, वहीं प्रत्यु संकट आने के बाद बचने के उपाय करने पर विश्वास करती थी, लेकिन यद्दी इनमें सबसे अलग थी। उसका मानना था कि किस्मत में जो लिखा होता है, वही होता है। एक दिन कुछ मछुआरे मछली पकड़कर घर जा रहे थे। कम मछलियां फंसने की वजह से वे सभी बड़े उदास थे। तभी उन्हें झाड़ियों के ऊपर मछलीखोर पक्षियों का झुंड जाता दिखाई दिया। सबकी चोंच में मछलियां दबी थीं। वे चौंके ।

एक ने कहा- 'दोस्तो! लगता हैं इस जलाशय में ढेर सारी मछलियां हैं।'

मछुआरे जलाशय के पास पहुंच गए और ललचाई नजरों से देखने लगे।

'अहा! ये जलाशय तो मछलियों से भरा है। आजतक ये हमें मालूम ही नहीं था। हमको ज्यादा मछलियां मिलेंगी।' मछुआरा बोला।

तभी दूसरा बोला-'अभी तो शाम हो गई, सुबह आते हैं।'

मछुआरों की मंशा मछुआरों ने सुन ली।

अन्ना मछली बोली-'दोस्तो! हमारा यहां रहना खतरे से खाली नहीं है। मैं नहर के रास्ते नदी में जा रही हूं। मछुआरे आएं और जाल फेंके मेरी बला से। मैं तो सुरक्षित रहूंगी'

प्रत्यु बोली- 'तुम जाओ, अभी खतरा आया नहीं है। हो सकता है, कल मछुआरे आएं ही न।'

तभी यद्दी बोल पड़ी - 'किस्मत में मरना ही लिखा है, तो क्या किया जा सकता है?'

अन्ना तो चली गई और प्रत्यु के साथ यद्दी रह गई। सुबह मछुआरे अपने कार्यक्रम के अनुसार जलाशय पर आए और जाल डालकर मछलियां पकड़ने लगे। प्रत्यु ने संकट भांपते ही दिमाग दौड़ाया और एक मरे हुए ऊदबिलाव के पेट में घुस गई। उसकी सड़ने की बदबू शरीर पर लपेटकर बाहर आई, जााल में फंस गई।

सभी मछलियों को किनारे पर फेंका गया, तो बाकी मछलियों की तरह तड़पे के बजाए, वो शांत पड़ी रही। बदबू की वजह से मछुआरे ने उसे सड़ी हुई मान लिया और उसको ढेर में से निकालकर तालाब में फेंक दिया।

उसने गोता लगाया और सुरक्षित गहराई में पहुंचकर जान की खैर मनाई। यद्दी मछली भी दूसरे मछुआरे के जाल में फंस गई थी, और एक टोकरे में डाल दी गई थी। भाग्य के भरोसे बैठी रहने वाली यद्दी ने उसी टोकरी में अन्य मछलियों की तरह तड़प-तड़पकर प्राण त्याग दिए।

आईपीएल 2026 : आरेंज और पर्पल कैप की जंग तेज, सूर्यवंशी, रबाडा और आर्चर पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में आरेंज और पर्पल कैप की रेस रोमांचक होती जा रही है। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, जिसके बाद दोनों सूची में कुछ खिलाड़ियों की स्थिति और मजबूत हुई, जबकि शनिवार को राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

आरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 494 रन के साथ बने हुए हैं। उनके पीछे अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ 23 रन की पारी खेलकर अपना कुल स्कोर 468 तक पहुंचा दिया और तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

शनिवार के मुकाबले में राजस्थान रायल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी। सूर्यवंशी अब तक 404 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज़ बी साई सुदर्शन 385 रन के साथ सातवें और शुभमन गिल 378 रन के साथ दसवें स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरी ओर पर्पल कैप की रेस में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प बना हुआ है। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने दिल्ली के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी विकेट संख्या 13 तक पहुंचा दी। पिछले चार मैचों में वह आठ विकेट ले चुके हैं।

हालांकि शीर्ष पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 17-17 विकेट लेकर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। इकानमी रेट के आधार पर भुवनेश्वर आगे हैं।

उनके पीछे प्रिंस यादव, कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा 16-16 विकेट के साथ मौजूद हैं।

शनिवार को गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा पर खास नजर रहेगी। रबाडा ने पिछले छह मैचों में 12 विकेट हासिल किए हैं और यदि वह अपनी लय बरकरार रखते हैं तो पर्पल कैप उनके सिर सज सकती है।

वहीं राजस्थान रायल्स के जोफ्रा आर्चर भी इस दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। उनके नाम 15 विकेट हैं और वह शीर्ष खिलाड़ियों से ज्यादा पीछे नहीं हैं। ऐसे में शनिवार के मुकाबले में रबाडा और आर्चर की गेंदबाज़ी मैच का रुख तय कर सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

वैभव टेस्ट क्रिकेट खेलने का भी प्रयास करें : पुजारा

मुम्बई। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन के लिए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा ने हालांकि ये भी कहा कि वैभव को केवल टी20 प्रारुप तक सीमित न रहते हुए अवसर मिलने पर टेस्ट क्रिकेट खेलने का भी प्रयास करना चाहिये। पुजारा के अनुसार टेस्ट क्रिकेट में ही किसी खिलाड़ी के खेल कौशल की परीक्षा होती है। इसके अलवा लंबे प्रारुप में खेलकर वह खेल के प्रति सम्मान प्रकट कर सकते हैं। इस सत्र में राजस्थान रायल्स की ओर से वैभव अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने 10 पारियों में कुल 404 रन बनाए हैं, जिसके कारण प्रशंसकों और विशेषज्ञों द्वारा उन्हें जल्द से जल्द भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग तेज़ हो गई है। वहीं पुजारा ने कहा कि वैभव टी20 क्रिकेट में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलने की पूरी संभावना है पर अगर उनमें क्षमता है और उसे सही मौका मिलता है, तो उसे निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलने का लक्ष्य रखना चाहिए। पुजारा ने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट प्रारूप ही खिलाड़ी में धैर्य, अद्वितीय कौशल और खेल के प्रति उस सम्मान को विकसित करता है, जिसकी हर युवा क्रिकेटर को आकांक्षा करनी चाहिए। उनके अनुसार, हर युवा खिलाड़ी के मन में टेस्ट क्रिकेट का ख्याल जरूर होना चाहिए। पुजारा ने हालांकि यह भी कहा कि बेशक टेस्ट क्रिकेट को खेल का सर्वोच्च प्रारूप माना जाता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सफेद गेंद के विशेषज्ञ खिलाड़ियों में क्षमता नहीं होती। उन्होंने सुझाव दिया कि वैभव सूर्यवंशी और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का उपयोग उनकी क्षमताओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

सात्विकसाईराज सहित कई बैडमिंन खिलाड़ी पहचान नहीं मिलने से है निराश

नई दिल्ली। भारत में अभी तक क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के स्टार खिलाड़ियों को पहचान नहीं मिली है। यह आवाज शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भी उठाई है। इन खिलाड़ियों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतने के बाद भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा जो मिलना चाहिये था। थामस कप विजेता युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय का कहना है कि बड़े टूर्नोमेंट जीतने के बाद भी उन्हें कोई पहचानता तक नहीं है। जिससे उनको निराशा का अनुभव होता है। इन खिलाड़ियों के अनुसार जब वह थामस कप जीतने जीतकर वापस आये तो भी किसी ने उनपर ध्यान नहीं दिया। सात्विकसाईराज ने कहा कि जर्मनी से वापसी लौटी टीम के लिए हैदराबाद सवाई अड्डे पर कोई नहीं था। यहां तक कि किसी ने भी उन्हें पहचाना नहीं और न ही जीत के बारे में पूछा। सभी का व्यवहार अजनबी जैसा था। जब वह उतरे तो सभी अपने-अपने काम करते रहे। इससे उन्हें उपेक्षा का अनुभव हुआ। इससे अंदाजा होता है कि कि राष्ट्रीय स्तर की खेल उपलब्धियों को भी लोग नहीं जानते। एक अन्य खिलाड़ी चिराग शेट्टी भी इससे सहमत दिखे।

कप्तानी के साथ-साथ टीम से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा सूर्यकुमार यादव पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में टी20 प्रारूप को लेकर जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। खबरों के अनुसार आईपीएल 2026 के बाद सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के चलते चयनकर्ता पूरी तरह संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं। ऐसे में अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति नए कप्तान के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है और उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। बताया जा रहा है कि आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से पहले इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। इन चर्चाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर सूर्यकुमार यादव कप्तानी गंवाते हैं, तो क्या उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ सकती है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह संभावना काफी मजबूत नजर आ रही है। सूर्यकुमार यादव ने कप्तान के तौर पर भारत को 2026 टी20 विश्व कप का खिताब जरूर दिलाया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। अमेरिका के खिलाफ खेली गई नाबाद 84 रन की पारी को छोड़ दें तो बाकी मुकाबलों में वह लगातार संघर्ष करते दिखाई दिए।

गुजरात टाइटंस ने हासिल की अपनी सबसे बड़ी जीत टॉप-4 से बाहर हुई राजस्थान रॉयल्स

जयपुर: आईपीएल 2026 में लगातार चार जीत के साथ शुरुआत करने वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम टॉप-4 से बाहर हो चुकी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीजन के 52वें मुकाबले में राजस्थान को 77 रनों से हार झेलनी पड़ी है। पिछले 7 मैचों में टीम की यह 5वीं हार है। सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन लगाए। 17वें ओवर में राजस्थान की पारी 152 रनों पर सिमट गई।

गुजरात के ओपनर्स ने 118 रन जोड़े

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत शानदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 65 गेंदों में 118 रनों की साझेदारी निभाई। सुदर्शन 36 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। जोस बटलर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 13 रन बनाकर रविंद्र जडेजा का शिकार बने। शुभमन गिल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 190 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 84 रन बनाए। गिल ने अपनी इस पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए।

जेसन होल्डर सिर्फ 7 रन ही बना सके। अंत के ओवरों में वॉशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 11 गेंदों में 24 रनों की साझेदारी निभाई। सुंदर ने महज 20 गेंदों में 37 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, तेवतिया ने सिर्फ 4 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से नाबाद 14 रन बनाए। बृजेश शर्मा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

राजस्थान रॉयल्स की बैटिंग चली ही नहीं

230 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक शुरुआत दी। 16 गेंदों में 36 रन बनाने के बाद वैभव सूर्यवंशी भी मोहम्मद सिराज की गेंद पर अरशद खान को कैच देकर पवेलियन लौटे। इस मुकाबले में टीम की कमान संभाल रहे यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। ध्रुव जुरेल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 10 गेंदों में 24 रन बनाकर राशिद खान की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। शिमरोन हेटमायर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 6 रन बनाकर आउट हुए।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

लियोनेल मेसी बोले- अर्जेंटीना खिताब बचाने का दावेदार, लेकिन फ्रांस और स्पेन ज्यादा मजबूत

नई दिल्ली

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने कहा है कि उनकी टीम लगातार दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सपना जरूर देख सकती है, लेकिन मौजूदा समय में फ्रांस और स्पेन जैसी टीमें बेहतर फार्म में हैं।

यूट्यूब पर होस्ट पोलो अल्वारेज़ को दिए इंटरव्यू में मेसी ने कहा, हमारी टीम में कई खिलाड़ी चोट या मैच फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जब पूरा ग्रुप साथ आता है तो उसने हमेशा साबित किया है कि वह मुकाबला करना और जीतना जानता है। हालांकि मेसी ने माना कि आगामी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा बेहद कठिन रहने वाली है। उन्होंने कहा, फ्रांस इस समय शानदार फार्म में है। उनके पास विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की भरमार है। गौरतलब है कि अर्जेंटीना ने कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था।

मेसी ने स्पेन और ब्राजील को भी मजबूत दावेदार बताया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पुर्तगाल बेहद प्रतिस्पर्धी टीम है, जबकि जर्मनी और इंग्लैंड जैसी यूरोपीय टीमें हमेशा खतरनाक साबित होती हैं।

इंटर मियामी के लिए खेलने वाले मेसी जून में 39 साल के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने अब तक यह आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किया है कि वह वर्ल्ड कप 2026 खेलेंगे या नहीं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में आयोजित होगा।

मेसी ने कहा कि उन्होंने अपने करियर को लेकर कोई समय सीमा तय नहीं की है।

उन्होंने कहा, मुझे फुटबाल खेलना पसंद है और मैं तब तक खेलूंगा जब तक खेल सकता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत प्रतिस्पर्धी हूं। मुझे हर चीज में जीतना पसंद है। मैं तो अपने बेटे को वीडियो गेम में भी आसानी से नहीं जीतने देता।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप

लंदन में आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल के दौरान, रोमानिया और फ्रांस के बीच महिलाओं की टीम के क्वार्टर फाइनल मैच में, फ्रांस की युआन जिया नान के खिलाफ सिंगल्स मैच में जीत का जश्न मनाती रोमानिया की बर्नाडेट स्ज़ोक्स।

देश में पहली बार होने जा रही महिला रग्बी प्रीमियर लीग

16 से 28 जून तक हैदराबाद में खेला जाएगा टूर्नोमेंट

हैदराबाद

देश में पहली बार रग्गी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन होने जा रहा है। ये लीग मुकाबले अगले माह जून में होगे। ये घोषणा आयोजकों ने की है। उनका कहना है कि इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रौत्साहन मिलेगा।

हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जागा। इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई बुल्स , दिल्ली रेड्ज , मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कार्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया मिलकर कर रहे है। ये दोनो ही देश में रग्बी के विकास और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन एक रोमांचक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। चार महिला टीमों और छह पुरुष टीमों (जिनमें मेजबान हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसे नाम शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इस लीग से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा।

पिछले साल मुंबई में रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सफल सत्र का आयोजन किया गया था, और अब महिला टूर्नामेंट की शुरुआत से लीग का दायरा और महत्व काफी बढ़ गया है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने इस ऐतिहासिक पहल पर अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, रग्बी इंडिया में हमारा हमेशा से यह सपना रहा है कि आरपीएल का महिला टूर्नामेंट भी हो। इस साल हमारा वह सपना पूरा हो रहा है और हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह महिला एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का एक अद्भुत मंच प्रदान करेगा, साथ ही देश में रग्बी के प्रति जुनून को और बढ़ाएगा।

चेपाक में धोनी की विदाई की अटकलों ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

क्या 18 मई को खत्म होगा माही युग

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का सीजन अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है, लेकिन इस बार क्रिकेट प्रेमियों की नजर सिर्फ मुकाबलों पर नहीं, बल्कि महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स का 18 मई को चेपाक स्टेडियम में होने वाला आखिरी लीग मुकाबला अब एक साधारण मैच नहीं रह गया है। फैंस के बीच लगातार यह चर्चा तेज हो रही है कि क्या यह पीली जर्सी में धोनी का आखिरी मुकाबला होगा। चेन्नई का चेपाक स्टेडियम हमेशा से महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स की पहचान रहा है। यहां की पीली दीवारें, धोनी-धोनी के नारों से गूंजते स्टैंड और आखिरी ओवरों में माही का शांत अंदाज क्रिकेट इतिहास का अहम हिस्सा बन चुका है।

अब जब टीम अपने घरेलू मैदान पर सीजन का अंतिम मुकाबला खेलने जा रही है, तो हर किसी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि क्या धोनी यहीं अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहेंगे। दरअसल, साल 2021 में धोनी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपना आखिरी मुकाबला चेन्नई में खेलना चाहते हैं। तभी से हर सीजन में उनके संन्यास को लेकर अटकलें लगती रही हैं। हालांकि, धोनी हमेशा की तरह इस मुद्दे पर शांत और रहस्यमयी बने रहे। लेकिन इस बार चर्चाओं को इसलिए भी बल मिला है क्योंकि आईपीएल 2026 में उन्होंने अब तक एक भी मैच नहीं खेला है। माना जा रहा है कि वह खुद को किसी खास मौके के लिए तैयार कर रहे हैं। चेपाक मैदान धोनी के करियर का सबसे यादगार अध्याय माना जाता है। इसी मैदान पर उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को कई ऐतिहासिक जीत दिलाईं और कई बार टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। फैंस के लिए धोनी सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक भावना बन चुके हैं। यही वजह है कि 18 मई का मुकाबला भावनात्मक रूप से बेहद खास माना जा रहा है। धोनी का करियर हमेशा अप्रत्याशित फैसलों से भरा रहा है। साल 2014 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास और 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को शांत अंदाज में अलविदा कहना इसका बड़ा उदाहरण है। इसलिए यह भी संभव माना जा रहा है कि वह बिना किसी औपचारिक घोषणा के अचानक विदाई ले लें। अगर 18 मई को धोनी चेपाक में मैदान पर उतरते हैं, तो वह पल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद भावुक हो सकता है। हर चौका, हर छक्का और हर स्टंपिंग को फैंस शायद आखिरी बार महसूस करें। फिलहाल आधिकारिक तौर पर कुछ भी तय नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि इस मुकाबले ने क्रिकेट जगत में भावनाओं का तूफान ला दिया है।

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई केंद्रित कार्यालय

नई दिल्ली

अमेरिकी साफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है।

यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डाक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लाई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशाप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए एक एआई-रेडी कार्यबल तैयार करना है।

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

न्यूज ब्रीफ

जल्द लांच हो सकता है नया स्मार्टफोन गैलेक्सी ए27

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपनी लोकप्रिय गैलेक्सी ए-सीरीज का विस्तार करने की तैयारी में जुटा हुआ है। जल्द ही सैमसंग नया स्मार्टफोन गैलेक्सी ए27 लान्च कर सकती है। फोन की आधिकारिक लिस्टिंग सामने आने के बाद इसके कई संभावित फीचर्स और डिजाइन से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आई हैं। माना जा रहा है कि यह स्मार्टफोन पिछले साल आए गैलेक्सी ए26 का अपग्रेड वर्जन होगा और खास तौर पर बजट तथा मिड-रेंज ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सैमसंग की ब्राजील वेबसाइट पर गैलेक्सी ए27 की जानकारी दिखाई दी है, जिससे इसके जल्द बाजार में आने के संकेत मिल रहे हैं। इससे पहले भी कई लीक्स में इसके डिजाइन और स्पेसिफिकेशन की जानकारी सामने आ चुकी है। फोन में होल-पंच डिस्प्ले डिजाइन दिया जा सकता है, जबकि पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इसके अलावा कंपनी का खास की आइलैंड डिजाइन फीचर भी इसमें शामिल होने की संभावना है। कैमरा फीचर्स की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर दिया जा सकता है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए 12 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की संभावना जताई जा रही है।

पेट्रोल-डीजल के भाव लखनऊ और पटना में बढ़े, गुरुग्राम में घटे

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा शनिवार को जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में देशभर में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां कुछ शहरों में दाम बढ़े, वहीं कुछ में मामूली राहत मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल का 100 डालर प्रति बैरल के ऊपर बने रहना, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के कारण, इन उतार-चढ़ावों की मुख्य वजह है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट दर्ज होने के बावजूद, ब्रेंट क्रूड अभी भी लगभग 101.30 डालर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 95.72 डालर प्रति बैरल पर बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के कारण कच्चा तेल लगातार 100 डालर के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर है, जिससे खुदरा ईंधन की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 4 पैसे महंगा होकर 94.73 रुपये और डीजल 5 पैसे बढ़कर 87.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 23 पैसे महंगा हुआ। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली, जहां पेट्रोल 35 पैसे और डीजल 33 पैसे सस्ता हुआ। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें लगभग स्थिर बनी हुई हैं।

नई टोयोटा फार्च्यूनर कीमतों में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। ग्राहकों को अब नई टोयोटा फार्च्यूनर खरीदने के लिए 87 हजार रुपये तक अधिक खर्च करने होंगे। टोयोटा कंपनी ने नई कीमतें सभी वैरिएंट्स पर लागू कर दी गई हैं। भारतीय बाजार में फार्च्यूनर पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है और इसकी मजबूत रोड प्रेजेंस तथा दमदार परफार्मेंस के कारण यह लंबे समय से ग्राहकों की पसंद बनी हुई है। कंपनी ने 2.7 लीटर पेट्रोल और 2.8 लीटर डीजल वैरिएंट्स की कीमतों में 60 हजार रुपये से लेकर 87 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। सबसे अधिक इजाफा जीआर-एस 4 डब्ल्यूडी आटोमैटिक वैरिएंट में किया गया है। नई कीमतों के बाद इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत अब 34.76 लाख रुपये से शुरू होकर 50.46 लाख रुपये तक पहुंच गई है। फार्च्यूनर 4गुणा2 और 4गुणा4 ड्राइवट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है। इसी बीच टोयोटा नई जनरेशन फार्च्यूनर पर भी तेजी से काम कर रही है। नए माडल में अधिक आधुनिक और आक्रामक डिजाइन देखने को मिल सकता है।

भारतीय सेना के लिए महिंद्रा ने पेश किया खास आल-टेरेन व्हीकल

नई दिल्ली

भारतीय सेना के लिए स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने एक खास आल-टेरेन व्हीकल पेश किया है, जिसे थार राक्स के प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है। कंपनी ने इस वाहन को कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सैन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है। जल्द ही इसे भारतीय सेना के ट्रायल के लिए भेजा जाएगा। अगर ट्रायल सफल रहता है, तो भविष्य में यह वाहन सेना के बेड़े का हिस्सा बन सकता है। यह सैन्य वाहन सामान्य थार से काफी अलग और ज्यादा मजबूत बनाया गया है। इसके फ्रंट में भारी-भरकम बंपर और विंच दी गई है, जो खराब रास्तों या कीचड़ में फंसने पर वाहन को बाहर निकालने में मदद करेगी।

वाहन के शीशों और बाडी की सुरक्षा के लिए मजबूत लोहे का फ्रेम लगाया गया है। साथ ही भारी दरवाजों की जगह पाइप वाले ढांचे का इस्तेमाल किया गया है, ताकि जवान तेजी से वाहन में चढ़-उतर सकें और आसपास की गतिविधियों पर नजर रख सकें। खराब और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए इसमें 18 इंच के मजबूत टायर और ज्यादा ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। पावर के लिए इसमें 2.2 लीटर का डीजल इंजन लगाया गया है, जो 172 बीएचपी की ताकत और 400 एनएम टार्क पैदा करता है। इसमें 4गुणा4 सिस्टम भी दिया गया है, जिससे यह रेगिस्तान, पहाड़ और कीचड़ वाले इलाकों में आसानी से चल सके। वाहन के पिछले हिस्से में अतिरिक्त पहियों, ईंधन कैन और सैन्य उपकरण रखने की विशेष व्यवस्था भी की गई है। महिंद्रा ने इस वाहन में पारंपरिक छत की जगह मजबूत रोल केज लगाया है। इसके ऊपर 360 डिग्री घूमने वाला टरेट लगाया जा सकता है, जिस पर मशीन गन फिट करने की सुविधा भी दी गई है।

आईटी क्षेत्र में जमकर पैसा लगा रहीं भारतीय कंपनियां, एआई और तकनीकी बदलाव पर किया फोकस

नई दिल्ली। भारतीय कार्पोरेट जगत में तकनीक को अपनाने की गति वैश्विक स्तर के मुकाबले कहीं अधिक तेज होने वाली है। हाल ही में जारी एक विशेषज्ञ रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों के टेक्नोलाजी बजट में वर्ष 2026 तक लगभग 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस निवेश की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि कुल खर्च का करीब 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा अकेले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीकी परिवर्तन (टेक ट्रांसफारमेशन) से जुड़ी परियोजनाओं पर केंद्रित होगा। भारत में आईटी खर्च की यह अनुमानित वृद्धि दर वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की 4-6 प्रतिशत की वृद्धि दर से काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार की मजबूती और भविष्य की तैयारी को दर्शाता है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 18 महीनों में तकनीकी निवेश में जो तेजी आई है, वह अगले दो-तीन वर्षों तक निरंतर जारी रहने की उम्मीद है। यह एक संरचनात्मक निवेश चक्र का संकेत है, जिसमें भारतीय उद्यम अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर ध्यान दे रहे हैं। विशेष रूप से एआई प्लेटफार्म और डेटा आधुनिकीकरण के लिए बजट का एक बड़ा हिस्सा आवंटित किया जा रहा है। भारत की विशिष्टता यह भी है कि यहां टेक्नोलाजी बजट का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के रूप में खर्च होता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा महज 20-30 प्रतिशत तक ही सीमित रहता है। वर्तमान में भारतीय कंपनियों के पूंजीगत व्यय का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से एआई और डेटा आधारित प्रणालियों पर खर्च किया जा रहा है। तकनीकी खर्च के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में कोर एप्लिकेशन आधुनिकीकरण और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर की हिस्सेदारी 25-25 प्रतिशत है, जबकि साइबर सुरक्षा पर 20 प्रतिशत निवेश किया जा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि कंपनियां अपनी बुनियादी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों को भी प्राथमिकता दे रही हैं। आगामी 12 महीनों के दौरान लगभग 60 प्रतिशत मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) उच्च-प्रभाव वाले एआई रोडमैप को अपनी प्राथमिकता सूची में शीर्ष पर रख रहे हैं। हालांकि, इस तकनीकी बदलाव की राह में कुछ चुनौतियां भी बरकरार हैं।

टाटा मोटर्स ने किया नया अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन लान्च

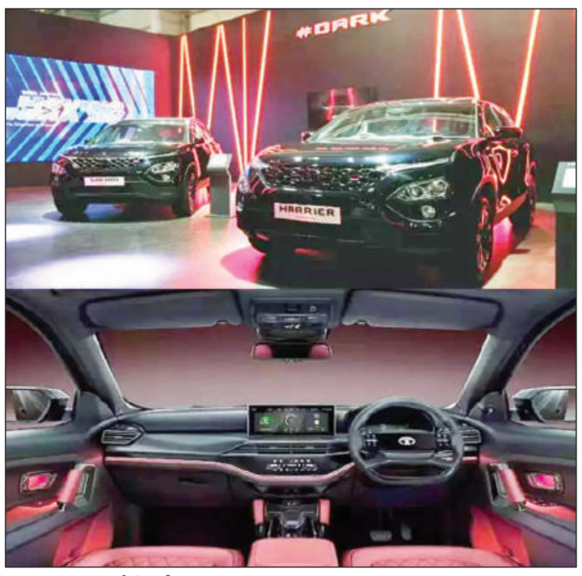

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय एसयूवी हैरियर और सफारी के डीजल वैरिएंट्स में टाटा मोटर्स ने नया अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन लान्च कर दिया है। यह स्पेशल एडिशन पहले केवल पेट्रोल माडल्स तक सीमित था, लेकिन अब डीजल इंजन पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए भी इसे उपलब्ध करा दिया है।

कंपनी के इस नए एडिशन को दोनों एसयूवी के टाप-स्पेक वैरिएंट के रूप में पेश किया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा प्रीमियम फीचर्स और आकर्षक डिजाइन का विकल्प मिलेगा। कंपनी ने हैरियर अल्ट्रा डीजल मैनुअल की एक्स-शोरूम कीमत 23.84 लाख रुपये तय की है, जबकि सफारी अल्ट्रा डीजल मैनुअल 7-सीटर वैरिएंट की कीमत 24.49 लाख रुपये रखी गई है। इस नए एडिशन में खास अल्ट्रा रेड एक्सटीरियर फिनिश के साथ डार्क थीम दी गई है, जो एसयूवी को ज्यादा स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देती है। डिजाइन के साथ-साथ इसके इंटीरियर को भी आधुनिक फीचर्स से लैस किया गया है।

नई हैरियर और सफारी अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन में 14.5 इंच का हरमन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डाल्बी एटमास आडियो सिस्टम और कई एडवांस डिजिटल फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा इंटीग्रेटेड डैशकैम, डुअल कैमरा वाशर सिस्टम, मेमोरी ओआरवीएम और इन-बिल्ट नेविगेशन जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल की गई हैं।

कंपनी का कहना है कि यह एडिशन खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो लंबी दूरी की यात्रा के लिए दमदार डीजल इंजन और प्रीमियम केबिन अनुभव चाहते हैं।

एसबीआई का मुनाफा 5.58 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 19,684 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो सालाना आधार पर सिर्फ 5.58 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्शाता है। मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में तेज गिरावट के कारण बैंक के मुनाफे की रफ्तार धीमी रही। पिछली तिमाही के मुकाबले तो यह लाभ 6.39 फीसदी कम रहा। तिमाही के दौरान बैंक की गैर-ब्याज आय में 29 फीसदी की भारी कमी आई और यह 17,314 करोड़ रुपये रही। इसकी प्रमुख वजह निवेश बिक्री से 1,471 करोड़ रुपये का घाटा है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में मुनाफा हुआ था। बैंक को 100 करोड़ रुपये का मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) घाटा भी हुआ, जो आरबीआई के नए एनओपी नियमों से प्रभावित था। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2026 के लिए एसबीआई का शुद्ध लाभ 80,032 करोड़ रुपये की रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले से 12.9 फीसदी अधिक है। तिमाही में सकल ऋण में 16.9 फीसदी की वृद्धि के बावजूद, ब्याज आय (एनआईआई) 4.1 फीसदी बढ़कर 44,380 करोड़ रुपये रही। वहीं, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) दिसंबर में हुई ब्याज दर कटौती के प्रभाव के कारण 2.93 फीसदी पर आ गया। नतीजों के बाद बैंक का शेयर 6.62 फीसदी टूट गया।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा की बड़ी जीत : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। प्रख्यात समाजसेवी एवं राष्ट्रवादी चिंतक राम प्रकाश अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय तथा सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय सुरक्षा की विचारधारा की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पश्चिम बंगाल जिस प्रकार राजनीतिक हिंसा, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अव्यवस्था का केंद्र बना हुआ था, अब वहां एक नई राष्ट्रवादी सोच के साथ विकास और सुशासन का युग प्रारंभ होने जा रहा है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश की सीमाओं से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील राज्य है। ऐसे राज्य में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाली सरकार का होना देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार बनने से सीमा सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, अवैध घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सुवेंदु अधिकारी एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेता हैं और उनके नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने लोकतंत्र को मजबूत करते हुए भय, हिंसा और अराजकता की राजनीति को नकारकर विकास और राष्ट्रवाद को चुना है। यह जनादेश केवल बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति बढ़ते जनसमर्थन का प्रमाण है। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का प्रभाव आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल कभी भारतीय संस्कृति, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रवादी चेतना का प्रमुख केंद्र रहा है। आज आवश्यकता है कि उस गौरव को पुनः स्थापित किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में राज्य शिक्षा, उद्योग, व्यापार, रोजगार और सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि नई सरकार युवाओं को रोजगार देने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए गंभीरता से कार्य करेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री छरॲशपवॲर चेवळ के नेतृत्व में देश विश्व पटल पर तेजी से मजबूत हो रहा है। ऐसे समय में पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का गठन राष्ट्रीय एकता और अखंडता को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि अब बंगाल में विकास की राजनीति होगी, निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और राज्य आर्थिक रूप से भी नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

नई प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी जेटूर टी2 जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में जेएसडब्ल्यू मोटर्स कंपनी अपनी नई प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी जेटूर टी2 को लान्च करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि कंपनी इसे दिवाली 2026 के आसपास भारतीय बाजार में उतार सकती है। दमदार डिजाइन, लंबी ड्राइविंग रेंज और आधुनिक फीचर्स के कारण यह एसयूवी इन दिनों काफी चर्चा में है। जेटूर टी2 की सबसे बड़ी खासियत इसकी शानदार रेंज है। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी एक बार फुल चार्ज और फुल फ्यूल टैंक के साथ करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है।

इसमें 1.5 लीटर का चार सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे ड्यूल मोटर सेटअप और 26.7 किलोवाट बैटरी पैक के साथ जोड़ा गया है। यह पावरट्रेन 381 हार्सपावर की ताकत और 610 एनएम का टार्क पैदा करने में सक्षम होगा। कंपनी के अनुसार यह एसयूवी केवल इलेक्ट्रिक मोड में करीब 139 किलोमीटर तक चल सकती है, जो शहरों में रोजाना उपयोग के लिए काफी उपयोगी मानी जा रही है। डिजाइन की बात करें तो जेटूर टी2 का लुक काफी हद तक लैंड रोवर डिफेंडर से प्रेरित दिखाई देता है। इसमें बाक्सी डिजाइन, स्क्वेयर एलईडी हेडलाइट्स, फ्लैट रूफ, बड़े व्हील आर्च और पीछे की तरफ स्पेयर व्हील दिया गया है। 220 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस इसे खराब और उबड़-खाबड़ रास्तों पर भी चलने में सक्षम बनाता है। इंटीरियर में 15.6 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.2 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 12 स्पीकर वाला सोनी आडियो सिस्टम दिया जाएगा।

टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक टली, वीटो पावर पर मंथन टला, अटकलें तेज

मुंबई। मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स की अहम बोर्ड बैठक ऐन मौके पर स्थगित कर दी गई, जिससे कार्पोरेट गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस असामान्य स्थगन के पीछे टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के वीटो पावर संबंधी संवेदनशील एजेंडा मुख्य कारण है। जानकार सूत्रों के अनुसार बैठक का मुख्य एजेंडा टाटा संस के निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधित्व की समीक्षा करना था। टाटा संस के अनुच्छेद 121ए के तहत नामित निदेशकों को अहम फैसलों पर वीटो शक्ति प्राप्त है, जिनमें निवेश और नेतृत्व में बदलाव शामिल हैं। वर्तमान में नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ट्रस्ट के नामित निदेशक हैं। समीक्षा के परिणामस्वरूप श्रीनिवासन के हटने पर नोएल टाटा अकेले नामित निदेशक रह सकते हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2026 में नोएल टाटा ने एन चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद पर पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाए थे। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 10 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

गोवत्स फाउण्डेशन की कार्यकर्ताओं संग विशेष बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा बहादुरपुरा विंटेज कॉलोनी के कार्यकर्ताओं की एक विशेष बैठक महेन्द्र बजाज के निवास स्थान, बहादुरपुरा में आयोजित की गई।

बैठक में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में 28 मई से 3 जून तक नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कथा का रसास्वादन परम पूज्य गोवत्स श्री राधाकृष्णजी महाराज, जोधपुर के मुखारविंद से कराया जाएगा।

बैठक में गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड, मंत्री बद्रीविशाल लोया एवं उपाध्यक्ष गोपाल सारडा ने बहादुरपुरा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता की।

बैठक को संबोधित करते हुए सीए मुरलीमनोहर पलोड ने कहा कि बहादुरपुरा विंटेज कॉलोनी के प्रत्येक घर तक कथा का निमंत्रण एवं कार्यक्रम के पास पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वैष्णवजनों को कथा एवं गोसेवा से जोड़ने के लिए फाउण्डेशन की गतिविधियों, ईसीएस सेवा तथा 'जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी' कार्पस फण्ड योजना की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि वैष्णवजन एक लाख रुपये या उससे अधिक राशि देकर कार्पस फण्ड योजना से जुड़ सकते हैं। वहीं ईसीएस सेवा के अंतर्गत प्रतिमाह 500 रुपये या उससे अधिक का सहयोग बैंक खाते से ईसीएस मैनडेट के माध्यम से प्रदान किया जा सकता है।

फाउण्डेशन की स्थापना वर्ष 2013 में परम श्रद्धेय गोऋषि दत्तशरणानंदजी, श्री गोधाम महातीर्थ पथमेडा गौशाला के करकमलों द्वारा परम पूज्य गोवत्स श्री राधाकृष्ण महाराज के पावन सान्निध्य में की गई थी।

संस्था को वर्ष 2013 से मार्च 2026 तक कुल 18 करोड़ 91 लाख 53 हजार रुपये प्राप्त हुए, जिनमें 13 करोड़ 51 लाख 53 हजार रुपये गोग्रास सेवा तथा 5 करोड़ 40 लाख रुपये 'जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी' कार्पस फण्ड योजना के अंतर्गत प्राप्त हुए। संस्था द्वारा पिछले 13 वर्षों में लगभग 13 करोड़ रुपये से अधिक की गोसेवा की जा चुकी है।

फाउण्डेशन का उद्देश्य कथा के माध्यम से गोमाता के प्रति सेवा भाव जागृत कर अधिकाधिक वैष्णवजनों को कथा एवं गोसेवा से जोड़ना है।

इसी उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन कर नगरद्वय के वैष्णवजनों तक व्यक्तिगत रूप से पहुंच बनाई जा रही है।

बैठक में पुरुषोत्तम तोषनीवाल, गोपी अग्रवाल, महेन्द्र बजाज, पंकज नावंदर, संतोष तोषनीवाल, रमाकांत कांकाणी, प्रशांत बांगर, राजेश बाहेती, आशीष सारडा, राहुल दरक, गोपाल सारडा, सीए मुरलीमनोहर पलोड एवं बद्रीविशाल लोया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगामी रविवार 17 मई को कॉलोनी निवासियों की एक विशेष बैठक रमाकांत कांकाणी के निवास स्थान पर प्रातः 9 बजे आयोजित की जाएगी।

सभी बहादुरपुरा विंटेज कॉलोनी निवासियों से बैठक में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया है।

ज्ञानबाग कॉलोनी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ऑनलाइन ठगी एवं साइबर अपराधों से बचाव की दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल स्थित ज्ञान बाग कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी कॉल्स से बचाव तथा महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों से अवगत कराते हुए सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सावधानी बरतने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर एसीपी गोशामहल चंद्रशेखर रेड्डी, थाना प्रभारी गोशामहल श्रवण कुमार, थाना प्रभारी बेगम बाजार भरत कुमार तथा थाना प्रभारी अफजलगंज मोहन राव सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में ज्ञान बाग कॉलोनी के अध्यक्ष हनुमान डागा, सचिव मोहन मुंडाडा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश भंडारी, मीठालाल प्रजापति एवं समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में कॉलोनीवासियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में ज्ञान बाग कॉलोनी परिवार की ओर से सभी अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम : अर्चना गुप्ता

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया तथा मानव सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा मानते हुए सभी सदस्यों ने समर्पण भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, सेवा और सामाजिक सद्भाव का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित श्रीमती अर्चना गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पहली बार राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और उसमें सहभागी बनने का अवसर प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नामपल्ली, बेगम बाजार एवं अन्य स्थानों पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे अन्नदान, सेवा और जनकल्याण के कार्यों के बारे में उन्होंने पहले भी बहुत सुना था, लेकिन आज जब उन्होंने स्वयं यहां आकर सेवा का भाव देखा तो उनका मन भावविभोर हो गया।

श्रीमती अर्चना गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि समाज के लोग एकजुट होकर सेवा का संकल्प लें तो कोई भी जरूरतमंद भूखा नहीं सो सकता। उन्होंने समूह के सभी सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस अनुशासन, समर्पण और प्रेम के साथ यहां सेवा कार्य किए जा रहे हैं, वह समाज के अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवाभावी लोगों और उनकी निस्वार्थ सेवा को वह हृदय से कोटि-कोटि प्रणाम करती हैं। कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्य में प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शिव भगवान, लता गोयल, महेश गोयल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेनू गुप्ता एवं नरेश बंसल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर श्रद्धा एवं समर्पण के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा सेवा कार्य को सफल बनाया।

जगन्नाथ मठ में श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर

पुरुषोत्तम मास में 18 मई से 26 मई तक होंगे महायज्ञ, भागवत पारायण एवं 18 पुराणों के व्याख्यान

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय स्वामी के पावन सान्निध्य में माधवदास झीरा स्थित श्री जगन्नाथ मठ में आगामी पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद्भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञ एवं अष्टादश (18) पुराण व्याख्यान की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 18 मई से 26 मई 2026 तक आयोजित होने वाले इस दिव्य एवं भव्य धार्मिक आयोजन का उद्देश्य विश्वशांति, लोककल्याण, पितृ मोक्ष प्राप्ति, संतान सुख, आरोग्यता, धन, विद्या, आयु वृद्धि एवं समस्त रोग-पीड़ा का निवारण है।

27 कुण्डीय यज्ञ एवं 108 ब्राह्मणों द्वारा होगा भागवत पारायण

वैकुंठवासी श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुर्जा जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से आयोजित इस महायज्ञ में 27 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मठाधीपति आचार्य अजय महाराज ने बताया कि 108 ब्राह्मणों द्वारा 108 यजमानों के साथ श्रीमद्भागवत मूल पाठ पारायण संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 19 मई से 25 मई तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे एवं दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक श्रीमद्भागवत पारायण होगा, जबकि सायंकाल 4:15 बजे से 7:15 बजे तक 18 महापुराणों का व्याख्यान संतों, महंतों एवं विद्वानों द्वारा किया जाएगा।

स्वामीजी ने कहा कि श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी को समर्पित अत्यंत शुभ एवं शक्तिशाली धार्मिक अनुष्ठान है, जो जीवन में सुख, समृद्धि, वैवाहिक सुख, आर्थिक स्थिरता एवं आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है।

कलश यात्रा के लिए 200 से अधिक महिलाओं ने कराया पंजीकरण

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल कलश यात्रा हेतु अब तक 200 से अधिक महिलाओं ने अपना पंजीकरण करवाया है। सभी पंजीकृत महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं।

इस अवसर पर महंत अच्युता रामानुजाचार्य लव फॉर काउ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, आलोक प्रसाद तिवारी, शशिकला बंग, आरती बंग, रेखा बंग, मोनी दुबे, स्वीटी तिवारी, श्वेता शर्मा, मधुबाला उपाध्याय, कलावती, संगीता उपाध्याय, रजनी शर्मा एवं स्वीकृति रामानुज दासी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विभिन्न सेवाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को सहभागिता का अवसर

प्रचार-प्रसार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार की यज्ञ एवं सेवा योजनाएं निर्धारित की गई हैं। इसमें प्रति जोड़ी दैनिक यजमान सेवा, सात दिवसीय यजमान सेवा, प्रति कुण्ड सेवा, घी सेवा, पुष्प सेवा, फल सेवा, ब्राह्मण वरण सेवा, कलश यात्रा सेवा, महाप्रसाद सेवा, अन्नदान, चाय, दूध, जल एवं यज्ञ सामग्री सेवा जैसी अनेक सेवाएं शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक अनेक परिवारों ने यजमान के रूप में अपने नाम दर्ज करवाए हैं। इच्छुक श्रद्धालु मठ कार्यालय अथवा संयोजकों से संपर्क कर विभिन्न सेवाओं एवं यज्ञ में सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

धर्मलाभ के लिए श्रद्धालुओं से सहभागिता का आह्वान

आयोजन समिति के संयोजक जसमत पटेल ने कहा कि यह महायज्ञ भक्तों को भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों प्रकार के लाभ प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यज्ञ में तन, मन एवं धन से की गई सेवा अत्यंत पुण्यदायी होती है।

सहप्रचार संयोजक आलोक प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अनेक समाजसेवियों, उद्योगपतियों एवं श्रद्धालुओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने समस्त जगन्नाथ भक्तों से इस पुण्य कार्य में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

जियागुड़ा स्थित श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में आयोजित भगवान लक्ष्मी-नारायण का कल्याण उत्सव में पूजा-अर्चना एवं प्रसाद का आयोजन सारडा परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय लक्ष्मी सारडा,कीर्ति - गोपाल सारडा, कमला बाई करवा,किरन - वेणुगोपाल करवा, आराधना - विनोद करवा, भारती - राजेश करवा, कोमल - अंकित लोया, नेहा - नितेश भुतडा, किरन राठी, उमा नवाल, अनिता राठी, मिना मनियार एवं अन्य।

बाइक स्टंट और खतरनाक ड्राइविंग के आरोप में 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुलिस ने सड़कों पर अवैध बाइक स्टंट करने, खतरनाक ड्राइविंग करने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में आधा दर्जन किशोरों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के संज्ञान में यह बात आई थी कि सार्वजनिक सड़कों पर बाइक स्टंट, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। टास्क फोर्स के पुलिस उपायुक्त, गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बताया कि इस तरह की खतरनाक गतिविधियां जनता के मन में डर पैदा कर रही थीं और सवारों, पैदल यात्रियों व अन्य मोटर चालकों के जीवन को गंभीर जोखिम में डाल रही थीं।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार, आरोपियों ने सड़कों पर खतरनाक वाहन स्टंट करके अशांति फैलाई, जिससे जनता गुमराह हुई और उनमें भय व भ्रम पैदा हुआ। उनकी यह घोर लापरवाही मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा बन गई थी। ये आरोपी अट्टापुर से अरामघर तक एक साथ बाइकों पर सवार होकर खतरनाक स्टंट कर रहे थे। स्टंट के दौरान उनके वाहनों से चिंगारियां निकल रही थीं, जो अन्य राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती थीं।

डीसीपी ने स्पष्ट किया, सार्वजनिक सड़कों पर व्हीली, रेसिंग, ज़िग-ज़ैग ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग और सुरक्षा उपायों के बिना वाहन चलाना यातायात नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। आरोपियों के खिलाफ कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सूचना मिलने पर, राजेंद्रनगर जोन की टीम ने अट्टापुर पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों को पकड़ा और उनके वाहन जब्त कर लिए।

गिरफ्तार किए गए लोगों में सैय्यद शाहिद, शेख नसीर हुसैन, मोहम्मद अरबाज हुसैन खान और शेख जुनैद (सभी हसननगर निवासी) तथा मोहम्मद बिन ईसा और अब्दुल समद (दोनों कालापत्थर निवासी) शामिल हैं। जांच में सामने आया कि शाहिद, शेख नसीर हुसैन, जुनैद और मोहम्मद बिन ईसा पहले भी बहादुरपुरा थाने में बाइक स्टंट के एक छोटे मामले में शामिल थे। वहीं, अरबाज खान के खिलाफ अट्टापुर थाने में पोक्सो (झजउडज) एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

पुलिस ने अभिभावकों को सलाह दी है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें और उन्हें ऐसी गैरकानूनी व जानलेवा गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए उनकी काउंसलिंग करें।

नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे पुलिस का सहयोग करें और सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक ड्राइविंग या बाइक स्टंट की घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस विभाग सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवा और अन्नदान ही दिवंगत आत्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को स्वर्गीय श्री मदनलाल सांवरिया की पुण्य स्मृति में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास विशाल एवं भावपूर्ण अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव से भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम का वातावरण पूरी तरह सेवा, संवेदना और मानवता की भावना से ओतप्रोत दिखाई दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नवीन नालपुरिया ने कहा कि किसी महान आत्मा की स्मृति में किया गया सेवा कार्य केवल एक कार्यक्रम नहीं होता, बल्कि वह उनके आदर्शों और संस्कारों को समाज तक पहुंचाने का माध्यम बन जाता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री मदनलाल सांवरिया सदैव सेवा, सहयोग और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहे। आज उनकी पुण्य स्मृति में आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में सहभागी बनना हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना से समाज सेवा के कार्य कर रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है और यही किसी भी पुण्य आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होती है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय मदनलाल सांवरिया को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, नरेश बंसल, अंजना गुप्ता साँवरिया, नवीन नालपुरिया एवं जय प्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
क्षत्रिय राजपूत सभा, कुतुबिगुड़ा, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आज महान वीर योद्धा एवं मेवाड़ के यशस्वी महाराजा महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती बड़े गर्व, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।

सभा के सदस्यों ने महाराणा प्रताप सिंह जी के अद्वितीय साहस, त्याग, राष्ट्रभक्ति एवं धर्म के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने उनकी महान विरासत, शौर्य और स्वाभिमान को नमन करते हुए वीरता, सम्मान, एकता एवं आत्मसम्मान के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष श्री ठाकुर जयवीर सिंह, सचिव श्री ठाकुर अरुण सिंह, श्री मुरली मोहन सिंह, ठाकुर श्री भवानी सिंह, संगठन सचिव श्रीमती सुनीता सिंह, श्री गणेश प्रसाद सिंह, श्री सुधीर सिंह एवं श्री नरसिंह भान सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राजपूत सभा बस्ती शाखा एबिड्स के चेयरमैन श्री रामनारायण सिंह, सीताफलमंडी बस्ती के चेयरमैन श्री नरेंद्र सिंह, गोलखिड़खी बस्ती की सचिव श्रीमती माया सिंह, चारमीनार बस्ती शाखा की कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती विद्या सिंह सहित राजपूत समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई और महाराणा प्रताप के आदर्शों को समाज तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

सीनियर ब्लॉगर एसपी मित्तल ने किया 'पुष्करम ज्योतिष चक्रे' पत्रिका का विमोचन

पुष्कर, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तीर्थ नगरी पुष्कर से प्रकाशित भारतीय प्राच्य विद्याओं की मासिक पत्रिका 'पुष्करम ज्योतिष चक्रे' का विमोचन सुविख्यात सीनियर ब्लॉगर एस.पी. मित्तल द्वारा अजमेर-पुष्कर स्थित पुष्करम रिज़ॉर्ट में किया गया।

पत्रिका की प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती चन्द्रा हैं, जबकि मानद सम्पादक के रूप में जोगणियाधाम पुष्कर के संस्थापक ज्योतिषाचार्य भंवरलालजी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विमोचन समारोह के दौरान पुष्कर के पंडित दिलीप शास्त्री ने वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न करवाई।

पुस्तक के सह सम्पादक एवं व्यवस्थापक एडवोकेट प्रशान्त वर्मा ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि सहित सभी ज्योतिषाचार्यों, वास्तुशास्त्रियों एवं कर्मकांड से जुड़े पुरोहितों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एसपी. मित्तल ने पत्रिका के सफल प्रकाशन पर प्रकाशक-मुद्रक श्रीमती चन्द्रा, मानद सम्पादक ज्योतिषाचार्य भंवरलालजी, प्रिंटर गुप्ता विजय सिंह मौर्य एवं संतोष खाचरियावास को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पत्रिका भारतीय प्राच्य विद्याओं के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने पत्रिका के नियमित एवं सफल प्रकाशन की भी कामना की।

विमोचन समारोह में अजमेर के पंडित हरीश व्यास, पंडित प्रकाश शर्मा, आनंद शर्मा, महेन्द्र, विक्रम सिंह बाधसूरी, श्रीमती मृणालिनी सिंह बाधसूरी, अजमेर नगर निगम के पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्री शीला खंडेलवाल तथा वास्तु विशेषज्ञ रितेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इसके अलावा पुष्कर के पंडित कैलाश दाधीच, पंडित कमल नयन दाधीच, पंडित ओमप्रकाश शर्मा, पंडित दिनेश शास्त्री, ज्योतिषी युक्ति शर्मा, तरुण अग्रवाल एवं वैद्याचार्य मोहित शर्मा सहित कई विद्वानजन भी विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

पश्चिम बंगाल का अधिकार अधिकारी को राज्य की राजनीति में भाजपा का नया अध्याय

कोलकाता, 09 मई (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जुझारू नेता शुभेन्दु अधिकारी ने शनिवार को यहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार के गठन के साथ राजनीति का एक नया अध्याय शुरु हुआ है और तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्ष के शासन का अंत हो गया है।

छप्पन वर्षीय श्री अधिकारी को राज्यपाल आर.एन रवि ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित भव्य समारोह में विशाल जन समूह के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। उनके साथ श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तनिया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा तथा उसके नेतृत्ववाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन वाले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगातार दो चुनावों में शिकस्त देने वाले श्री अधिकारी को शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया था।

उन्नीस सौ पचास के दशक में गठित जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक विरासत और विचारधारा की वाहक भाजपा पश्चिम बंगाल में 2016 से पहले राजनीतिक हाशिए पर थी। वर्ष 2016 के विधान सभा चुनाव में उसने पहली बार तीन सीटों के साथ अपना खाता खोला था और 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीत कर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा प्राप्त किया।राज्य में भाजपा के उदय के साथ वर्षों से सत्ता में रहे कांग्रेस और वामपंथी दल हाशिए पर चले गये।

शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर कविवर रवींद्र नाथ टैगोर का चित्र लगा हुआ था, जिनकी आज जयंती मनायी जा रही है। प्रधानमंत्री ने मंच पर पहुंचते ही उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके बाद श्री अधिकारी ने भी साहित्य के नोबेल से सम्मानित गुरुदेव को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने मंच से राज्य की जनता को दंडवंत प्रणाम किया। उन्होंने मंच पर ही पश्चिम बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का शॉल ओढ़ा कर अभिनंदन किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

श्री अधिकारी ने कल भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पश्चिम बंगाल के पुर्निर्माण का संकल्प लेते हुए कहा था कि भाजपा सरकार राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

उल्लेखनीय है कि बंगाल एक समय देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य था, लेकिन राजनीतिक माहौल के चलते धीरे-धीरे पिछड़ता गया । इस बार विधानसभा चुनाव में यह भी एक प्रमुख मुद्दा था। इसके अलावा राज्य में घुसपैठिए, हिंसा, भ्रष्टाचार , बेरोजगारी, महिला सुरक्षा को भी भाजपा नेताओं ने ममता सरकार के विरुद्ध प्रमुख मुद्दा बनाया था।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चले विवाद के बीच हुए इस चुनाव में मतदाताओं की ऐतिहासिक भागीदारी रही और 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। यह आजादी के बाद एक रिकार्ड है। तृणमूल ने एसआईआर को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और आरोप लगाया था कि जानबूझ कर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराने तथा मतदाताओं को हिंसा तथा भय मुक्त वोट का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये थे।

इस चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर से भाजपा उम्मीदवार श्री शुभेंदु अधिकारी से 15,000 से अधिक वोटों से पराजित हुईं। पिछले 2021 के चुनाव में श्री अधिकारी ने उन्हें नंदीग्राम सीट पर हराया था। श्री अधिकारी इस बार नंदीग्राम से भी चुनाव जीते हैं।

पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर एक भावुक और ऐतिहासिक पल देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने और सम्मानित कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

98 वर्ष की आयु में भी माखनलाल सरकार स्वतंत्रता के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन की जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं। उनका राजनीतिक और सामाजिक योगदान दशकों पुराना है।

वर्ष 1952 में जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में भारतीय तिरंगा फहराने के लिए आंदोलन शुरू किया था, तब श्री माखनलाल उनके साथ थे और इसी दौरान उन्हें कश्मीर में गिरफ्तार भी किया गया था।

1980 में भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद श्री माखनलाल ने पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के लिए संगठनात्मक समन्वयक के रूप में कार्यभार संभाला।

इसके बाद 1981 से लगातार सात वर्षों तक उन्होंने जिला अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दीं। पार्टी के शुरुआती और संघर्षपूर्ण वर्षों के दौरान उनका यह योगदान आज भी संगठन के लिए मिसाल माना जाता है।

भारतीय पत्रकार की ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय नियुक्ति शम्सुद्दीन बने आईजेएनई के अंतरराष्ट्रीय सचिव

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): भारतीय पत्रकारिता और अंतरराष्ट्रीय मीडिया सहयोग के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, 'इंटरनेशनल जर्नलिस्ट नेटवर्क ऑफ यूरोप' (आईजेएनई) ने आधिकारिक तौर पर 'स्नैप्स इंडिया' के संपादक मोहम्मद शम्सुद्दीन को अंतरराष्ट्रीय मामलों के सचिव, सदस्यता समन्वयक और खेल संवाददाता प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति अप्रैल 2028 तक के लिए प्रभावी होगी।

यह प्रतिष्ठित नियुक्ति श्री शम्सुद्दीन के पत्रकारिता, वैश्विक मीडिया नेटवर्किंग और खेल रिपोर्टिंग में उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देती है। उन्होंने स्नैप्स इंडिया के बैनर तले राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और खेल आयोजनों की व्यापक कवरेज की है। इससे पहले, उन्होंने 2023 में यूरोपीय पत्रकार नेटवर्क का प्रतिनिधित्व किया था, जिससे यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच मीडिया सहयोग को मजबूती मिली थी।

यह नियुक्ति ऐतिहासिक महत्व रखती है क्योंकि मोहम्मद शम्सुद्दीन भारतीय उपमहाद्वीप के उन पहले प्रतिनिधियों में से एक बन गए हैं, जिन्हें आईजेएनई संरचना के भीतर अंतरराष्ट्रीय मामलों और खेल मीडिया प्रतिनिधित्व जैसी महत्वपूर्ण नेतृत्व भूमिका सौंपी गई है। संगठन के नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनका पेशेवर अनुभव और समर्पण दुनिया भर के पत्रकारों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का विस्तार आज

मंत्रिमंडल में इन नए चेहरों को मिल सकती है एंट्री

लखनऊ, 09 मई (एजेंसियां)
उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। योगी सरकार में रविवार शाम मंत्रिमंडल विस्तार होगा। इसे लेकर लखनऊ में राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम को राज्यपाल से मुलाकात की। इस मुलाकात को मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। दोपहर 3:30 बजे मंत्रिमंडल विस्तार समारोह कार्यक्रम का आयोजन होगा।

जानकारी के मुताबिक, योगी सरकार में कुछ नए चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना है। इसके साथ ही साथ कई के विभाग बदलने की भी चर्चा है। संभावित नामों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मनोज पांडे, अशोक कटारिया, सुरेश पासी, सुरेंद्र दिलेर, आशीष सिंह आशु, हंसराज विश्वकर्मा, कृष्णा पासवान और पूजा पाल के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में हैं। हालांकि अभी तक सरकार या पार्टी की तरफ से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए संगठनात्मक और सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश की जा रही है। लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक माहौल में बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन और सरकार दोनों को नए तरीके से संतुलित करने की रणनीति पर काम कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विजयतिलक...

समय बदलवाना चाहते थे, लेकिन उनके ज्योतिषी ने सुबह 10 बजे का समय शुभ बताया। बताया जा रहा है कि इसी वजह से राज्यपाल के साथ उनकी बैठक करीब दो घंटे तक चली। इस दौरान विजय लगातार अपने ज्योतिषी से फोन पर संपर्क में थे।

इससे पहले विजय लगातार तीन दिनों तक राज्यपाल से मुलाकात के बावजूद सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन नहीं दिखा पाए थे। बहुमत के लिए विधायकों की संख्या पूरी नहीं होने के चलते उन्हें राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की ओर से सरकार गठन का न्योता नहीं मिला था।

दो साल पुरानी विजय की टीवीके ने इस चुनाव में डीएमके और एआईएडीएमके जैसी द्रविड़ राजनीति के धुरंधरों को पीछे छोड़ते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने में सफलता हासिल की। हालांकि, विजय को अपनी जीती हुई दो सीटों में से एक छोड़नी होगी, इसलिए पार्टी के विधायकों की वास्तविक संख्या 107 है।

डीएमके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 5 सीटें जीतीं। तमिलनाडु चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस डीएमके से अलग होकर, टीवीके को समर्थन देने वाली पहली पार्टी बनी थी। वामदलों ने भी अपने चार विधायकों के साथ विजय को समर्थन देने का ऐलान किया है। अब वीसीके और आईयूएमएल के जुड़ने से टीवीके बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी है। बता दें कि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 118 है।

टीवीके के 107, कांग्रेस के 5, वामदलों के 4 और वीसीके-आईयूएमएल के 2-2 विधायकों के समर्थन से विजय के पास अब 120 विधायकों का समर्थन है, जो बहुमत के आंकड़े से 2 ज्यादा है। वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन इस बात से नाराज थे कि विजय ने व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने के बजाय व्हाट्सऐप संदेश के जरिए समर्थन मांगा था। आईयूएमएल ने भी शुरुआत में सख्त रुख अपनाते हुए खुद को डीएमके के साथ बताया था। लेकिन शनिवार सुबह टीवीके नेताओं की वीसीके और आईयूएमएल नेतृत्व से मुलाकात के बाद स्थिति बदल गई।

वीसीके ने भले ही बिना शर्त समर्थन दिया हो, लेकिन पार्टी नेता वन्नी अरसु ने स्थानीय मीडिया से कहा कि सरकार में शामिल होने को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी चाहती है कि विजय द्वारा खाली की जाने वाली सीट से थोल थिरुमावलवन चुनाव लड़ें और आगे चलकर उपमुख्यमंत्री बनें।

केरल सस्पेंस...

अजय माकन और मुकुल वासनिक एवं प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी शामिल हुए। बैठक के बाद रमेश चेन्नीतला ने टीवी पत्रकारों से कहा कि केरल में मुख्यमंत्री का फैसला कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में हमने चुनाव के नतीजे आने के बाद प्रदेश में बदले राजनीतिक हालात पर चर्चा की। हम सभी एकजुट हैं। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सब साथ हैं। जल्द ही दिल्ली कमान से निर्देश मिलने के बाद सीएम के नाम की घोषणा हो जाएगी।

चेन्निथला ने कहा, 'यह एक अच्छी बैठक थी। सभी नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ राहुल गांधी के संग भी अपने विचार साझा किए। आलाकमान अंतिम निर्णय लेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या मुख्यमंत्री के लिए उनके नाम पर चर्चा की गई तो चेन्नीथला ने कहा कि सबके नाम पर चर्चा की गई।

तीनों दावेदारों से अलग-अलग हुई चर्चा

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी और खरगे ने सीएम पद के तीनों दावेदारों से बात की और कहा कि जो भी पार्टी का फैसला होगा, उसे धैर्यपूर्वक स्वीकार करें। कांग्रेस नेतृत्व ने सभी नेताओं से एक साथ विचार-विमर्श करने के बाद उनसे अलग-अलग भी बात की। सीएम पद के तीनों दावेदारों वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्नीथला ने पार्टी आलाकमान पर भरोसा जताया।

केरल के सभी नेता आज रात वापस लौट गये हैं। बैठक के बाद जिस तरह कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन नहीं करने की अपील की गई है, उससे संकेत मिल रहा है कि रेस में सतीशन पिछड़ गए हैं।

23 मई है अंतिम तारीख

दीपा दासमुंशी ने तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, आज खरगे जी और राहुल गांधी जी से हमारी लंबी चर्चा हुई। हममें से हर किसी ने खरगे जी और राहुल जी के सामने अपनी बात रखी। हमने व्यक्तिगत रूप से भी बात की और उन्होंने हमें अपना मार्गदर्शन दिया। बहुत जल्द आलाकमान द्वारा अंतिम निर्णय किया जाएगा। 23 मई (सरकार गठन के लिए) अंतिम दिन है। इसलिए, नियत समय में सब होगा। मेरा मतलब है कि उचित समय सीमा के भीतर होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को लेकर अंतिम निर्णय लेना आलाकमान का काम है और सभी विधायकों ने भी एक लाइन के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें आलाकमान को अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। उन्होंने केरल में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अपने-अपने नेताओं के समर्थन में प्रदर्शन करने को लेकर कहा कि वे संयम से काम लें, क्योंकि इस तरह का अशिष्ट व्यवहार कांग्रेस की संस्कृति नहीं है।

दासमुंशी ने कहा, केरल की जनता ने हमें प्रचंड बहुमत दिया है। हम सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध कर रहे हैं कि वे इस तरह की गतिविधि को रोकें। वहीं सतीशन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व की तरफ से जल्द निर्णय लिया जाएगा।

पर्यवेक्षकों ने सौंपी थी रिपोर्ट

केरल में कांग्रेस विधायक दल के नेता के चयन के लिए विधायकों की राय लेने के बाद पार्टी के दोनों पर्यवेक्षकों माकन और वासनिक ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपी थी।

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ की जीत के बाद राज्य के अगले मुख्यमंत्री के चयन के संबंध में विचार जानने के लिए कांग्रेस के पर्यवेक्षकों वासनिक और माकन ने गुरुवार को पार्टी विधायकों और गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठक की थी। इसी बैठक में पार्टी की परंपरा के अनुरूप एक लाइन का प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस आलाकमान को विधायक दल के नेता के चयन के लिए अधिकृत किया गया था।

तीनों दावेदारों में कौन मजबूत

सूत्रों का कहना है कि विधायकों से रायशुमारी के दौरान ज्यादातर ने वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री के लिए अपनी पसंद बताया था, हालांकि यह माना जा रहा है कि कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच सतीशन की स्वीकार्यता ज्यादा है। चेन्निथला की वरिष्ठता और अनुभव को देखते हुए उनकी दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है।

पत्रकारिता की दशा और दिशा पर मंथन, उत्कृष्ट हस्तियां हुईं सम्मानित

वक्तव्य सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन में जुटीं साहित्य, पत्रकारिता और समाजसेवा जगत की हस्तियां

मुंबई, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पत्रकारिता क्षेत्र में आए व्यापक बदलावों और वर्तमान दौर में मीडिया की भूमिका को लेकर आयोजित वक्तव्य सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम में साहित्य, सामाजिक एवं पत्रकारिता जगत की कई नामी हस्तियां एक मंच पर एकत्रित हुईं। कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार विकास फाउंडेशन की ओर से किया गया, जिसमें वरिष्ठ पत्रकारों, साहित्यकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए युवा पत्रकारों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली सामाजिक हस्तियों, पत्रकारों एवं साहित्यकारों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों, शायरों एवं कवयित्रियों ने अपनी कविताओं, गीतों और ग़ज़लों की प्रस्तुतियों से उपस्थित साहित्य प्रेमियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार, पत्रकार एवं लेखक मधुराज मधु ने की। प्रमुख अतिथियों की अनुपस्थिति में स्वागत अध्यक्षता वरिष्ठ समाज-सेवी आर.एन. यादव ने निभाई, जबकि मीडिया प्रभारी प्रभाकर सिंह सोमवंशी ने अतिथियों का स्वागत किया।

सम्मानित अतिथियों में प्रसिद्ध आरटीआई एक्टिविस्ट एवं पत्रकार अनिल गलगली तथा हिंदुस्तान अखबार के मालिक सरफराज आरज़ू साहब ने पत्रकारिता की वर्तमान दिशा और दशा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते मीडिया परिवेश में गलियों से निकलने वाली खबरें भी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रही हैं और निष्पक्ष एवं कर्मठ पत्रकारों के कारण आज भी पत्रकारिता जीवंत बनी हुई है।

वरिष्ठ पत्रकार नामदार राही ने भी युवा पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए पत्रकारिता में नैतिक मूल्यों और निष्पक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन अमर बहादुर पटेल एवं वरिष्ठ पत्रकार युसूफ राणा ने प्रभावशाली ढंग से किया। कवि सम्मेलन में डॉ. शशिकला पटेल, कृष्णा श्रीवास्तव, अर्चना वर्मा सिंह एवं ऊषा अशोक सहित कई साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं, कविताओं, गीतों और ग़ज़लों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने रहमत कमेटी एवं पत्रकार विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पत्रकार यशपाल शर्मा एवं आरिफ खान का अतिथियों ने आभार व्यक्त किया। वहीं मीडिया प्रभारी प्रभाकर सिंह सोमवंशी ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन का ऑनलाइन सांस्कृतिक उत्सव बना आकर्षण का केंद्र

रवीन्द्र जयंती, नजरुल जयंती एवं मदर्स डे पर विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंगाली सांस्कृतिक संघ हैदराबाद द्वारा कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती, काजी नजरूल इस्लाम जयंती एवं मदर्स डे के उपलक्ष्य में 1 मई से 10 मई 2026 तक एक विशेष ऑनलाइन सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया है। हैदराबाद की भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया, जिससे सदस्य एवं उनके परिवार अपने घरों की सुविधा से उत्साहपूर्वक भाग ले सकें।इस ऑनलाइन उत्सव में 7 वर्ष से लेकर 75 वर्ष से अधिक आयु तक के प्रतिभागी अपनी विविध सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रचनाओं पर आधारित रवीन्द्र संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ, क़ाज़ी नज़रुल इस्लाम को समर्पित सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ, कविता पाठ, आवृत्ति, चित्रकला, स्मृतियाँ तथा मदर्स डे पर आधारित विशेष माँ-बच्चों की प्रस्तुतियाँ

प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री संजय पान ने कहा कि सभी आयु वर्गों के सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता इस आयोजन को और अधिक विशेष बना रही है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मंच के माध्यम से समुदाय के लोगों को अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ है।जेनरल सेक्रेटरी श्री सौरभ बैनर्जी के अनुसार, हैदराबाद की गर्मी को ध्यान में रखते हुए यह ऑनलाइन पहल समुदाय के लिए एक अनूठा अनुभव साबित हुई है, जिसमें सदस्यों ने अपने घरों से बढ़-चढ़कर भाग लिया। असिस्टेंट जेनरल सेक्रेटरी डॉ. त्रिशिता मुखर्जी ने कहा कि बीसीए सदस्यों से मिले अभूतपूर्व प्रतिसाद और उत्साह ने इस आयोजन को अत्यंत यादगार बना दिया है। उन्होंने सभी से एसोसिएशन के सोशल मीडिया मंचों पर इस ऑनलाइन उत्सव की झलक देखने का आग्रह भी किया। यह पहल बंगाली संस्कृति, कला, पारिवारिक मूल्यों एवं सामुदायिक भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित यह सांस्कृतिक उत्सव समाज में कला, साहित्य और पारिवारिक संबंधों के महत्व को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

क्षत्रिय राजपूत न्यास में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्षत्रिय शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप सिंह जी की 486वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार, 9 मई 2026 को प्रातः 10:30 बजे क्षत्रिय राजपूत न्यास परिसर, अंबरपेट, हैदराबाद में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन क्षत्रिय राजपूत न्यास मंडल द्वारा श्री कुंदन सिंह जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में महाराणा प्रताप जी के त्याग, बलिदान, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति पर विशेष प्रकाश डाला गया तथा उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, सम्मान, आत्मगौरव एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय प्रतीक है। उनका संघर्ष और वीरता आज भी समाज को राष्ट्रभक्ति एवं स्वाभिमान की प्रेरणा प्रदान करते हैं।वक्ताओं ने कहा कि नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए आगे बढ़ना चाहिए तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।इस अवसर पर न्यास के न्यासीगण, विधि परामर्शदाता एवं समाज के अनेक गणमान्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के नगरागमन को लेकर तैयारियों पर मंथन

बैठक में पोस्टर का विमोचन

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के पैगा पैलेस स्थित श्री अशोक सोमानी (सोमानी इस्पात) के निवास पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को भाग्यनगर आगमन एवं परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाली विराट जनसभा की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की रूपरेखा, जनसभा की व्यवस्थाओं एवं अधिकाधिक जनसंपर्क को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जनसभा से संबंधित पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

बैठक में मल्काजगिरी सांसद इटेला राजेंद्र, तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी व्यापारिक प्रकोष्ठ के सहसंयोजक सतीश कुमार जाजू, भारतीय जनता पार्टी नेता आनंद बोहरा एवं मल्लिकार्जुन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अशोक कुमार सोमानी, मनोज कुमार सोमानी, संजय कुमार सोमानी, सुधीर कुमार सोमानी, आकाश सोमानी, राजेश बहेती, मधुसूदन जालान, दीपक नागौरी, प्रकाश नागौरी, रघु एस. वेंकट, कुशल, आशीष मनहोट, नॉर्टनजी मुनोत, मूर्ति जी, राधेश्यामजी कटारा, सुशीलजी अग्रवाल, रमेशजी सांघी, अरविंदजी जैन, किरीटभाई एवं ज्ञानसागरजी भी उपस्थित रहे।

बैठक में श्रीमती सपना सोमानी, श्रीमती अनीता सोमानी, श्रीमती नीता सोमानी, श्रीमती ईशा सोमानी, श्रीमती पुनीता तापड़िया, श्रीमती शशि मालपानी, श्रीमती राशि सोमानी, श्रीमती अनीता जालान, नेहा सोमानी, समृद्धि सोमानी एवं विधि सोमानी सहित अनेक महिलाओं की उपस्थिति रही।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाने एवं अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

सऊदी अरब में चरवाहे के रूप में कष्ट झेल रहा युवक परिवार ने की स्वदेश वापसी की अपील

रियाद/हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के जगतियाल जिले के गोलापल्ली मंडल के बी.बी. राजपल्ली गांव के निवासी दासरी अरविंद (23) के परिवार ने शुक्रवार को हैदराबाद के प्रजा भवन में आयोजित 'सीएम प्रवासी प्रजावाणी' कार्यक्रम में एक याचिका दायर की है। परिवार ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद से लगभग 950 किलोमीटर दूर रेगिस्तानी इलाके में चरवाहे के रूप में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे अरविंद को बचाने और भारत वापस लाने का अनुरोध किया है। साथ ही, उन्होंने उस एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है जिसने कथित तौर पर उन्हें धोखा दिया। इस मुद्दे पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, सीएम प्रवासी प्रजावाणी के प्रभारी डॉ. जी. चिन्ना रेड्डी ने जीएडी एनआरआई विभाग के अधिकारियों और जगतियाल के पुलिस अधीक्षक को जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्यक्रम में एनआरआई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष मंडा भीम रेड्डी, समन्वयक बोज्जा अमरेंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। परिवार के अनुसार, अरविंद इस साल 15 फरवरी को एक एजेंट के माध्यम से सऊदी अरब गया था, जिसने उसे पैकिंग वर्कर की नौकरी दिलाने का वादा किया था। हालांकि, एजेंट ने कथित तौर पर 90,000 रुपये वसूलने के बाद उसे धोखे से एक दूरदराज के रेगिस्तानी इलाके में चरवाहे के रूप में काम करने के लिए मजबूर कर दिया। इस बीच, मल्लेशान के नेतृत्व में 'सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन' (साटा) के सदस्य समर्थन में आगे आए हैं और उन्होंने कठिन समय में सऊदी अरब में तेलुगु लोगों के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है। साकाका क्षेत्र के साटा टीम के सदस्यों ने, जिनमें डॉ. विनोद बांदेला, मदन, लक्ष्मण और उनके मित्र शामिल हैं, अरविंद के स्थान पर पहुंचकर उससे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की।

टीम ने उसे भावनात्मक समर्थन दिया और भरोसा दिलाया कि उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है। साटा की ओर से उसे पूरी सहायता और समर्थन का वादा किया गया है ताकि उसे जल्द से जल्द इस संकट से बाहर निकालकर सुरक्षित घर पहुंचाया जा सके।

आरएंडबी गेस्ट हाउस में बन रहे पानी के टैंक की गुणवत्ता पर उठे सवाल

बांसवाड़ा, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर स्थित आर एंड बी गेस्ट हाउस परिसर में बन रहे पानी के टैंक के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नगर पार्षद एमडी खलील अंजा गौड़ ने आरोप लगाया कि टैंक निर्माण में घटिया गुणवत्ता का लोहा एवं निर्माण सामग्री उपयोग में ली जा रही है, जिससे निर्माण कार्य की मजबूती पर संदेह उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि बांसवाड़ा शहर में कई स्थानों पर नगर निगम की पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, ऐसे में आर एंड बी गेस्ट हाउस परिसर में निर्माण कार्य कराना उचित नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि पुराने गेस्ट हाउस भवन पहले से ही जर्जर अवस्था में हैं और एक तरफ से गिरने की स्थिति में पहुंच चुके हैं, इसलिए पहले नए गेस्ट हाउस के निर्माण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पार्षद ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां 40 एमएम बजरी का उपयोग होना चाहिए, वहां 20 एमएम बजरी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि पानी के टैंक का निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाए। साथ ही जिस ठेकेदार द्वारा बिना गुणवत्ता के निर्माण कार्य किया जा रहा है, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। एमडी खलील, अंजा गौड़ ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग से जुड़े निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

बंजारा हिल्स स्थित होटल पार्क हाट मे आयोजित ग्लोबल राजस्थान अग्रीटेक मिट मे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पशुपालन, डेयरी व गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारीता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार से शिष्टाचार भेट करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, जसराज श्रीश्रीमाल, दिलीप पालीवाल, अरविंद पटेल, भभूतसिंह राजपुरोहित, सी. ए. विजय अग्रवाल।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान सेवा आयोजित

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, तेज प्रकाश अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, जयप्रकाश सालदा एवं मनोहर डार्लिंग सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। संस्था द्वारा नियमित रूप से अन्नदान, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर मानवता की सेवा की जा रही है। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सबसे बड़ा पुण्य है और समाज के सक्षम लोगों को सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं सेवा भावना से ओत-प्रोत रहा। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

जन्मदिन पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रमेश पुखराजजी तातेड का 74वां जन्मदिन हैदराबाद में तातेड परिवार एवं कांकरिया परिवार द्वारा हर्षोल्लास एवं श्रद्धा-पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्यजन, मित्रगण एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने श्री तातेड को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में संजीविया पार्क मॉर्निंग वॉक एसोसिएशन के चेयरमैन श्री पी. डी. जाकोटिया एवं सभी सदस्य, रसूलपुरा संघ के सदस्य एवं महामंत्री श्री सुधीरभाई कोठारी, एसोसिएशन ऑफ सीनियर सिटिज़न हैदराबाद के महामंत्री श्री रमेशजी नागपाल, सांचोरी जैन संघ हैदराबाद के अध्यक्ष चंदन चंपालाल, एस. रमेश इंजीनियर सहित समाज के वरिष्ठजनों एवं मित्रों ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जन्मदिन के उपलक्ष्य में जीवदया एवं सेवा भावना को बढ़ावा देते हुए संजीविया पार्क के कर्मचारियों को मिठाई वितरित की गई। इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर कैडिला फार्मास्यूटिकल्स एवं एबॉट कंपनी के पदाधिकारियों ने भी श्री रमेश पी. तातेड को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने श्री तातेड के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

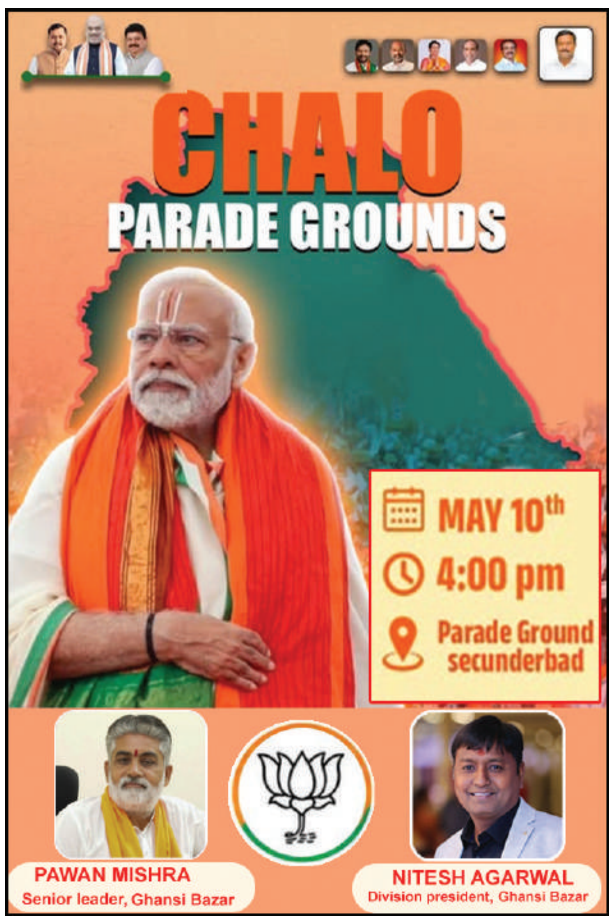

मुख्यमंत्री ने मेट्रो विस्तार के लिए मोदी से मांगी मंजूरी

हैदराबाद, 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करेंगे और हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार के लिए तेजी से मंजूरी देने का आग्रह करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उम्मीद है कि रेवंत रेड्डी विकास कार्यक्रमों के शुभारंभ, प्रस्तावों को मंजूरी, धन और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मोदी को एक विस्तृत अभ्यावेदन (रिप्रेशेंटेशन) सौंपेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रमुख अनुरोधों में मेट्रो रेल चरण खख और खखख के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की त्वरित मंजूरी, मूसी परियोजना के लिए वित्तीय सहायता, क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी खंड के लिए मंजूरी और एक्सप्रेसवे के उत्तरी खंड का निष्पादन शामिल है। रेवंत रेड्डी ने आखिरी बार 3 दिसंबर, 2025 को दिल्ली में मोदी से मुलाकात की थी, जब उन्होंने इसी तरह की मांगों की सूची सौंपी थी।

राज्य सरकार ने केंद्र के साथ साझेदारी में चरण खख और खखख के तहत मेट्रो रेल विस्तार का प्रस्ताव दिया है। बैठक के दौरान, रेवंत रेड्डी द्वारा यह स्पष्ट किए जाने की उम्मीद है कि चरण-खख के तहत सात गलियारों को कवर करने वाली एक व्यापक डीपीआर तैयार कर केंद्र सरकार को सौंप दी गई है।

वह हैदराबाद के तेज शहरी विकास और बढ़ती परिवहन मांगों को देखते हुए मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की तत्काल आवश्यकता पर जोर देंगे। सरकार का लक्ष्य शहर के दूर-दराज के इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है ताकि यातायात के दबाव को कम किया जा सके।

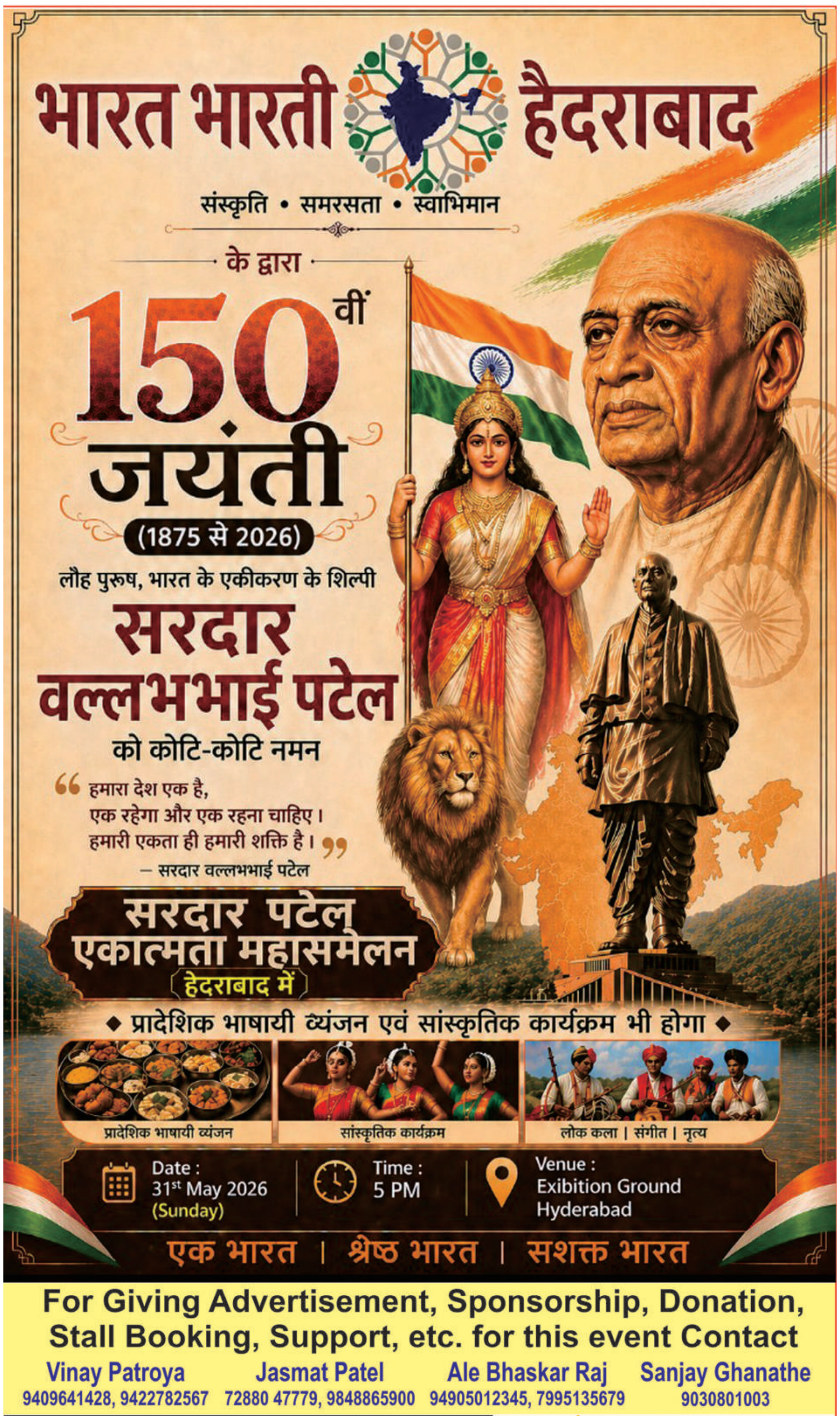

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.